डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 206 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 05 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

नरेन्द्र मोदी ने त्रिनिडाड और टोबैगो में सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित किया

-त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय समुदाय की यात्रा साहस से भरी है: प्रधानमंत्री

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में त्रिनिडाड और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री महामहिम श्रीमती कमला प्रसाद-बिसेसर, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, संसद सदस्य तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री का प्रवासी समुदाय द्वारा असाधारण गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया तथा उनका रंगारंग पारंपरिक भारतीय-त्रिनिडाडियन स्वागत किया गया।

त्रिनिडाड और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए घोषणा की कि त्रिनिडाड और टोबैगो उन्हें अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, "द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिडाड और टोबैगो" प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने इस सम्मान के लिए उनके तथा त्रिनिडाड और टोबैगो के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में त्रिनिडाड और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत करने और दोनों देशों के बीच जीवंत और विशेष संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे समय में त्रिनिडाड और टोबैगो की उनकी ऐतिहासिक यात्रा, जब देश अपने तटों पर भारतीय प्रवासियों के पहले आगमन की 180 वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसे और भी विशेष बनाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों की उनके सुगम, सांस्कृतिक समृद्धि और त्रिनिडाड और टोबैगो में उनके अपार योगदान की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासी अपनी भारतीय सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को संरक्षित और पोषित करना जारी रखे हुए हैं। इन संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अब त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। इस विशेष भाव का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि भारत सरकार गिरमिटिया विरासत को पोषित करने के लिए कई पहलों का समर्थन करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, हरित मार्गों, अंतरिक्ष, नवाचार और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में भारत के तेजी से विकास और परिवर्तन का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में भारत ने समावेशी विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है और 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है।

मोदी ने भारत की विकास कहानी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश शीघ्र ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने बल देकर कहा कि आर्टिफ़िशियल इंटैलिजेंस, सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग पर राष्ट्रीय मिशन देश के विकास के नए संचालक बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान की सफलता का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भी इसे अपनाना समान रूप से उत्साहजनक होगा। मोदी ने भारत के सदियों पुराने दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम, जिसका अर्थ है कि दुनिया एक परिवार है, को कोविड महामारी के दौरान स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हुए प्रगति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में टीएंडटी को निरंतर समर्थन देने की पेशकश की।

इस भव्य कार्यक्रम में 4000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान और अन्य संगठनों के कलाकारों द्वारा एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

मोहाली में 8 जुलाई को लॉन्च होगी जैस्मीन शाह की 'केजरीवाल मॉडल' किताब

मोहाली। 8 जुलाई को मोहाली में 'केजरीवाल मॉडल' किताब लॉन्च की जाएगी। यह किताब दिल्ली डायलॉग कमीशन के उपाध्यक्ष रहे जैस्मीन शाह ने लिखी है। किताब में दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा किए गए शिक्षा और स्वास्थ्य सुधारों को विस्तार से बताया गया है।

जैस्मीन शाह ने कहा कि यह किताब देशभर में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव लाने की दिशा में एक दस्तावेज की तरह काम करेगी। किताब में मोहल्ला क्लीनिक, सरकारी स्कूलों में सुधार, बोर्ड रिजल्ट में सरकारी स्कूलों की बढ़ती सफलता और स्कूलों में हैप्पीनेस करिकुलम जैसी पहल की जानकारी दी गई है।

जैस्मीन शाह ने कहा कि दिल्ली मॉडल ने दिखाया है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो सरकारी स्कूल और अस्पताल भी विश्वस्तरीय बनाए जा सकते हैं।

यह किताब आम आदमी पार्टी के 'केजरीवाल मॉडल' को समझने और देश के अन्य राज्यों में लागू करने की संभावनाओं पर भी रोशनी डालती है। इसके जरिए लोगों को यह जानने में मदद मिलेगी कि दिल्ली में बदलाव कैसे हुआ और यह अन्य जगहों पर कैसे लागू किया जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियां रहेंगी मौजूद

इस दौरान सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और किताब के लेखक जैस्मीन शाह मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम आम आदमी पार्टी के लिए एक अहम मंच साबित होगा, जहां पार्टी अपने गवर्नेंस मॉडल की उपलब्धियों को न केवल पंजाब में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जनता के सामने रखेगी। यह किताब उन पाठकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी मानी जा रही है जो भारत के राजनीतिक व प्रशासनिक बदलाव में रुचि रखते हैं।

किताब का विमोचन 8 जुलाई को मोहाली के कलकत स्थित एक विशेष समारोह में किया जाएगा, जहां पार्टी कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, और राजनीतिक विश्लेषक बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट में नाबालिगों की गुमशुदगी पर सख्त टिप्पणी

-कोर्ट बोली- पुलिस अभी भी पुरानी तकनीक पर चल रही, आरोपी आपके आने का इंतजार नहीं करेगा

जयपुर। राजस्थान में नाबालिगों की गुमशुदगी के बढ़ते मामलों पर राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की है। मंगलवार को नवनियुक्त डीजीपी राजीव शर्मा अपने कार्यकाल के पहले ही दिन हाईकोर्ट में पेश हुए। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आज भी पुलिस गुमशुदा बच्चों की तलाश में पुरानी तकनीकों पर निर्भर है, जबकि अपराधी और आरोपी तेजी से नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

कोर्ट ने कहा- पुलिस का हर केस में एक ही जवाब, मोबाइल बंद है

हाईकोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि हर केस में पुलिस का जवाब होता है कि बच्चे का मोबाइल बंद है, इसलिए लोकेशन ट्रेस नहीं कर पा रहे। जजों ने कहा कि आज का युवा अच्छी तरह जानता है कि कब मोबाइल ऑन रखना है और कब बंद करना है। सिर्फ मोबाइल लोकेशन पर निर्भर रहकर बच्चों की तलाश में देरी की जा रही है, जिससे परिवारों को अनावश्यक पीड़ा सहनी पड़ रही है।

आरोपी आपके आने का इंतजार नहीं करेगा: कोर्ट

खंडपीठ ने डीजीपी से कहा कि "आरोपी आपके आने का इंतजार नहीं करेगा। गुमशुदगी के मामलों में पुलिस को फुर्ती दिखानी होगी। सिर्फ पुरानी पद्धति पर काम करके नाबालिगों की सुरक्षित वापसी संभव नहीं है।" कोर्ट ने कहा कि पुलिस को आधुनिक तकनीक जैसे डिजिटल निगरानी, सोशल मीडिया ट्रैकिंग, सीसीटीवी विश्लेषण, और नेटवर्किंग के अन्य तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि गुमशुदा बच्चों को जल्द से जल्द तलाशा जा सके।

डीजीपी राजीव शर्मा का जवाब

इस पर डीजीपी राजीव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि पुलिस गुमशुदा बच्चों की बरामदगी के लिए कई अन्य प्रयास भी कर रही है और आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि राजस्थान पुलिस इस दिशा में तेजी से सुधार लाने के लिए काम करेगी ताकि नाबालिगों के लापता होने की घटनाओं में शीघ्रता से कार्रवाई की जा सके और बरामदगी की दर बढ़ाई जा सके।

क्यों हुआ डीजीपी को तलब

गौरतलब है कि हाईकोर्ट में नाबालिगों से जुड़ी बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिकाओं की सुनवाई चल रही है। लगातार लंबित मामलों और पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने की वजह से हाईकोर्ट ने नए डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया था। कोर्ट ने इस दौरान नाबालिगों की बरामदगी की स्थिति और पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी।

कोर्ट का संकेत: गुमशुदा बच्चों की बरामदगी प्राथमिकता हो

कोर्ट ने यह भी कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी बरामदगी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए पुलिस को हर जिले में एक स्पेशल सेल सक्रिय करने, साइबर सेल को मजबूत बनाने, गुमशुदा बच्चों के मामलों में 48 घंटों में प्रारंभिक रिपोर्ट पेश करने और परिवारों के साथ समन्वय बनाए रखने का निर्देश भी जल्द देने का संकेत दिया।

ऑपरेशन सिंदूर पर डिप्टी आर्मी चीफ का बड़ा खुलासा: "एक दुश्मन से मोर्चा, पर असल में तीन देशों से लड़ाई"

नई दिल्ली। डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि यह सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि तीन देशों के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने मोर्चा संभाला था, लेकिन चीन और तुर्किये ने उसे हथियार, ड्रोन और लाइव डेटा सपोर्ट देकर भारत के खिलाफ युद्ध को और जटिल बना दिया।

पाकिस्तान को चीन से हथियार और लाइव डेटा सपोर्ट

दिल्ली में फिक्की के 'न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीस' इवेंट में लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा, "चीन ने पाकिस्तान को युद्ध में हथियार दिए और भारत को टेस्टिंग लैब की तरह इस्तेमाल किया। चीन हमारे हर रणनीतिक कदम की लाइव अपडेट पाकिस्तान के साथ शेयर कर रहा था।" जनरल सिंह ने बताया कि चीन की मदद से पाकिस्तान को युद्ध में बढ़त दिलाने की कोशिश की गई ताकि वह भारतीय सेना की तैयारियों और रणनीतियों की वास्तविक समय में निगरानी कर सके।

तुर्किये ने दिए ड्रोन, भारत के खिलाफ किया इस्तेमाल

डिप्टी आर्मी चीफ ने बताया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को Bayraktar और अन्य ड्रोन सप्लाई किए, जिनका इस्तेमाल भारतीय सेना के खिलाफ निगरानी और हमलों के लिए किया गया। यह पहली बार था जब पाकिस्तान ने इस तरह ड्रोन युद्ध तकनीक का व्यापक उपयोग किया।

ऑपरेशन सिंदूर ने सिखाए अहम सबक

जनरल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना को कई महत्वपूर्ण सबक सिखाए हैं। "यह एक संघर्ष था जिसने मॉडर्न वॉरफेयर की कठिनाइयों को उजागर किया। इस युद्ध ने हमें सिखाया कि हमें अपनी एयर डिफेंस कैपेसिटी को तेजी से मजबूत करना होगा।" उन्होंने कहा कि इस बार पाकिस्तान ने भारतीय आबादी वाले इलाकों पर हमला नहीं किया, लेकिन भविष्य में ऐसे खतरे की आशंका है। इसलिए भारत को एयर डिफेंस, काउंटर-रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन टेक्नोलॉजी पर गंभीरता से काम करना होगा। "दर्द सहने का समय खत्म, डेटा बेस्ड ऑपरेशन की जरूरत" लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि इस ऑपरेशन में सेना का संदेश स्पष्ट था कि पिछली लड़ाइयों की तरह दर्द सहने का समय खत्म हो गया है। "हर टारगेट की पहचान डेटा बेस्ड एनालिसिस के आधार पर की गई। कुल 21 टारगेट्स की पहचान की गई, लेकिन 9 को चुनकर लास्ट मोमेंट पर कार्रवाई की गई।" उन्होंने बताया कि भविष्य के युद्धों में टारगेट सेलेक्शन और इंटेलिजेंस पर आधारित ऑपरेशन भारतीय सेना की प्राथमिकता होगी।

पहलगाम हमले का जवाब था ऑपरेशन सिंदूर

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट्स की हत्या के बाद भारत ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था। 7 मई को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान के भीतर मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकियों को ढेर किया गया था। इसके बाद दोनों देशों में 10 मई को शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

इजराइल की तरह एयर डिफेंस सिस्टम की जरूरत

जनरल सिंह ने कहा कि भारत इजराइल के आयरन डोम जैसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम पर नजर रख रहा है। "हमारे देश का आकार बड़ा है और ऐसे सिस्टम पर खर्च भी बहुत होता है। लेकिन अब समय आ गया है कि हम सुरक्षा और तैयारी पर फिर से ध्यान दें।" उन्होंने कहा कि युद्ध के स्वरूप में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसमें ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने साफ कर दिया है कि भारत को इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर युद्ध की आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करना होगा।

आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म के आधार पर निर्दोष नागरिकों की हत्या की

-हमारी सेना ने उनके कर्मों के आधार पर आतंकवादियों को नष्ट किया -रक्षा मंत्री

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को तेलंगाना के हैदराबाद में एक कार्यक्रम में कहा, "आतंकवादियों ने पहलगाम में अपने धर्म के आधार पर निर्दोष नागरिकों की हत्या की, जबकि सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उनके कर्मों के आधार पर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया।" उन्होंने दोहराया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचे को ध्वस्त करते समय धैर्य और संयम का प्रदर्शन किया साथ ही यह भी कहा कि पूरी सावधानी बरती गई ताकि किसी भी नागरिक आबादी को नुकसान न पहुंचे। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सशस्त्र बल भविष्य में आतंकवाद के खिलाफ सभी प्रकार की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र और सक्षम हैं।

यह कार्यक्रम महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 128वीं जयंती समारोह के एक अंग के तौर पर आयोजित किया गया था। राजनाथ सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित धैर्य और संयम अल्लूरी सीताराम राजू के गुणों के समान था, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान दिया था।

उन्हें एक 'संत-योद्धा' बताते हुए रक्षा मंत्री ने अल्लूरी जी की नैतिक स्पष्टता और जमीनी स्तर के नेतृत्व का आह्वान करते हुए उनकी विरासत और भारत की आधुनिक रक्षा व विकास रणनीति के लोकाचार के बीच सीधा संबंध स्थापित किया। उन्होंने कहा, "अल्लूरी जी सिर्फ एक क्रांतिकारी नहीं थे, वह एक आंदोलन थे। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका गुरिल्ला प्रतिरोध सिद्धांत से प्रेरित साहस का एक चमकदार उदाहरण बना हुआ है। उन्होंने हमें सिखाया कि अन्याय के खिलाफ खड़े होना सिर्फ एक अधिकार नहीं है, यह राष्ट्र का धर्म है।"

राजनाथ सिंह ने आदिवासी सशक्तिकरण के लिए सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जो अल्लूरी जी के सबसे हाशिए पर पड़े लोगों को ऊपर उठाने के आजीवन मिशन की प्रतिध्वनि करता है। उन्होंने हाल की सरकारी पहलों को गिनाया, जिनमें पीएम आदिवासी विकास मिशन, स्किल इंडिया और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान शामिल हैं। उन्होंने इन्हें आदिवासी समुदायों को गरिमा और अवसर के साथ मुख्यधारा में लाने की दिशा में ठोस कदम बताया, न कि केवल दान। उन्होंने आगे कहा, "औपनिवेशिक शासन के दौरान बुनियादी अधिकारों से वंचित होने से लेकर आज सतत विकास के संरक्षक बनने तक, हमारे आदिवासी भाई-बहन एक लंबा सफर तय कर चुके हैं और हम उनके साथ चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के प्रयास केवल नीति से प्रेरित नहीं थे, बल्कि अल्लूरी जी के उन मूल्यों के प्रति भावनात्मक और गहन प्रतिबद्धता से प्रेरित थे जिनके लिए वे जिए और मरे। उन्होंने कहा, "उनका जीवन सिर्फ बहादुरी का नहीं, बल्कि एकता का था।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अल्लूरी जी ने कैसे जातिगत बाधाओं को पार किया और पूरे भारत में उन्हें 'आदिवासी योद्धा' के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने जयंती समारोह को 11 वर्षों के परिवर्तनकारी शासन के तहत भारत की यात्रा और 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के उसके संकल्प का प्रतिबिंब बताया।

आसाराम की मेडिकल आधार पर जमानत एक महीने और बढ़ी

-गुजरात हाईकोर्ट ने कहा – यह आखिरी मौका होगा

अहमदाबाद। दुष्कर्म के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की जमानत गुजरात हाईकोर्ट ने एक और महीने के लिए बढ़ा दी है। कोर्ट ने साफ किया कि यह जमानत का आखिरी एक्सटेंशन होगा। अब आसाराम को 7 अगस्त तक जमानत पर बाहर रहने की अनुमति मिली है।

सुप्रीम कोर्ट से मिली थी मेडिकल आधार पर अंतरिम राहत

आसाराम की खराब तबीयत के चलते सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 31 मार्च तक मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आगे की राहत के लिए वे गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। इसके बाद से हाईकोर्ट ने दो बार उनकी जमानत बढ़ाई थी। उनकी मौजूदा जमानत अवधि 7 जुलाई को खत्म हो रही थी, जिसके पहले उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई और कोर्ट ने एक महीने का और समय दे दिया।

कोर्ट ने दी चेतावनी - यह आखिरी एक्सटेंशन होगा

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा: "अब यह आखिरी मौका है। इसके बाद कोई और एक्सटेंशन नहीं दिया जाएगा।" इस दौरान आसाराम के वकीलों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति का हवाला देते हुए मेडिकल ग्राउंड पर राहत जारी रखने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने फिलहाल स्वीकार कर लिया।

आसाराम के खिलाफ दुष्कर्म के मामले:

क्या है पूरा मामला जोधपुर केस (2013): 15 अगस्त 2013 को जोधपुर में एक नाबालिग लड़की ने आसाराम पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। 31 अगस्त 2013 को आसाराम को इंदौर से गिरफ्तार कर जोधपुर लाया गया। 2018 में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। वे करीब 11 साल जेल में रह चुके हैं।

गांधीनगर केस (2001-2006): जनवरी 2013 में गांधीनगर की अदालत ने भी आसाराम को सूरत की रहने वाली शिष्या से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। पीड़िता का आरोप था कि 2001 से 2006 के बीच अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में सुनवाई का क्रम

जनवरी 2025: सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार खराब स्वास्थ्य के आधार पर आसाराम को अंतरिम जमानत दी। 31 मार्च 2025: सुप्रीम कोर्ट की जमानत अवधि पूरी हुई और आगे की राहत के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट में बंटी राय: सुनवाई के दौरान दो जजों की राय अलग-अलग आने पर मामला तीसरे जज को सौंपा गया, जिन्होंने तीन महीने की अस्थायी जमानत दी। जुलाई 2025: 7 जुलाई को जमानत अवधि खत्म होने से पहले हाईकोर्ट ने 7 अगस्त तक अंतिम एक्सटेंशन दे दिया।

फिलहाल क्या स्थिति है?

आसाराम मेडिकल आधार पर एक और महीने के लिए बाहर रहेंगे। कोर्ट ने साफ किया है कि अब कोई और एक्सटेंशन नहीं दिया जाएगा। यदि स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर कोई नया तथ्य सामने नहीं आता, तो उन्हें 7 अगस्त के बाद फिर से जेल लौटना होगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

स्थानीय मांग आधारित कौशल विकास आत्मनिर्भरता की असली राह

भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन यह ताकत तब तक विकास में नहीं बदल सकती जब तक युवाओं को उनके अपने इलाके में ही रोज़गार और आत्मनिर्भरता के अवसर नहीं मिलते। इसके लिए कौशल विकास की तमाम योजनाएँ तब तक अधूरी रहेंगी जब तक उन्हें स्थानीय मांग और बाजार से नहीं जोड़ा जाएगा। यह समझना जरूरी है कि कौशल वही सार्थक है, जो रोजगार में बदल सके, और रोजगार वही टिकाऊ होता है जो स्थानीय जरूरतों और बाजार की मांग के अनुरूप हो।

आज देश के कई हिस्सों में बेरोजगारी की एक बड़ी वजह यह है कि युवा जिस क्षेत्र में रह रहे हैं, वहां जिस प्रकार के उद्योग, व्यवसाय और कृषि गतिविधियां मौजूद हैं, उनके अनुरूप उन्हें हुनर नहीं दिया जा रहा। उदाहरण के तौर पर अगर किसी जिले में कृषि प्रसंस्करण, डेयरी, हस्तशिल्प, छोटे लघु उद्योग और लोकल पर्यटन की संभावना है, तो युवाओं को उसी हिसाब से प्रशिक्षित करना चाहिए। आज कौशल विकास केंद्रों में अक्सर ऐसे कोर्स कराए जाते हैं, जिनकी मांग बड़े शहरों में तो हो सकती है, लेकिन छोटे शहर या ग्रामीण क्षेत्रों में उन कौशलों का इस्तेमाल करने का अवसर नहीं मिलता। इसका परिणाम यह होता है कि प्रशिक्षित युवा रोजगार की तलाश में बड़े शहरों का रुख करते हैं। इससे गांव खाली होते हैं, परिवार बिखरते हैं और शहरों पर बोझ बढ़ता है।

अब यह साफ होता जा रहा है कि एक जैसी स्किल डेवलपमेंट पॉलिसी पूरे देश में लागू करने की नीति कामयाब नहीं हो रही। हर जिले की परिस्थितियां, संसाधन और मांग अलग होती है। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में मधुबनी पेंटिंग और मिथिला शिल्प के लिए स्किल डेवलपमेंट की जरूरत है, जबकि राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों में कारीगरी, चमड़े और ऊंट उत्पाद आधारित उद्योगों की मांग है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में पर्यटन, जड़ी-बूटी उत्पादन और फलों के प्रसंस्करण से जुड़े हुनर सिखाने की जरूरत है। अगर प्रशिक्षण स्थानीय उद्योगों और क्षेत्रीय मांग के मुताबिक दिया जाए, तो युवाओं को न सिर्फ रोजगार मिलेगा, बल्कि वे अपने घर में रहकर आत्मनिर्भर भी बन सकेंगे।

स्थानीय बाजार और उद्योगों की जरूरत के हिसाब से युवाओं को प्रशिक्षित करना समय की मांग है। इसके लिए हर जिले में स्किल मैपिंग होना चाहिए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां किस तरह के उद्योग और सेवाओं में काम की अधिक जरूरत है। इसके बाद स्किल डेवलपमेंट सेंटर में वही कोर्स चलाए जाएं, जिनकी वास्तव में जरूरत हो। इसके साथ स्थानीय उद्योगों से इन केंद्रों को जोड़कर युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान ही ऑन-जॉब ट्रेनिंग कराई जाए, ताकि उन्हें तुरंत रोजगार मिल सके। यही नहीं, कौशल विकास का उद्देश्य केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। युवाओं को स्थानीय मांग के हिसाब से स्वरोजगार शुरू करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। अगर किसी इलाके में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, डेयरी, पोल्ट्री, हर्बल खेती, जड़ी-बूटी उत्पादन या हस्तशिल्प की मांग है, तो युवाओं को इन्हीं क्षेत्रों में हुनर सिखाने के साथ-साथ उन्हें उद्यमिता और बाजार से जोड़ने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

देश में कुछ सफल उदाहरण भी हैं, जिन्होंने दिखाया है कि स्थानीय मांग आधारित कौशल विकास कैसे काम कर सकता है। केरल में कुदुंबश्री मिशन ने महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के लिए तैयार कर उनके स्वयं सहायता समूह बनवाए। गुजरात में युवाओं को स्थानीय कढ़ाई, कपड़ा उद्योग और छोटे व्यवसायों से जोड़ा गया। उत्तराखंड में युवाओं को जड़ी-बूटी उत्पादन और कृषि आधारित प्रसंस्करण के लिए प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाया गया। इन सफलताओं से यह साबित होता है कि जब प्रशिक्षण स्थानीय जरूरतों पर आधारित होता है, तब रोजगार और आत्मनिर्भरता दोनों संभव होते हैं।

सरकार ने जिला कौशल समितियों का गठन किया है, लेकिन कई बार ये समितियां केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित रह जाती हैं। अगर इन समितियों को सक्रिय और उत्तरदायी बनाया जाए और नियमित रूप से स्थानीय रोजगार मांग का विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाए, तो कौशल विकास का प्रभाव वास्तविक होगा। इसके साथ तकनीक का भी बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। कृषि में ड्रोन और आधुनिक उपकरणों के उपयोग, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए हस्तशिल्प उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री, डिजिटल स्किल्स की ट्रेनिंग जैसी पहल युवाओं को उनके गांव और कस्बों में रहकर ही अच्छी कमाई का अवसर दे सकती है।

अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता पर पाबंदी

अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता (Birth-right Citizen-ship) खत्म करने की ट्रंप की कोशिश ने देश में नया संवैधानिक विवाद खड़ा कर दिया है। 14वें संशोधन के तहत जन्मते ही नागरिकता का अधिकार अमेरिका की पहचान का हिस्सा रहा है, जिसे अब कार्यकारी आदेश से सीमित किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में देशव्यापी रोक लगाने की व्यवस्था पर अंकुश लगाते हुए इस आदेश को कुछ राज्यों में लागू होने का रास्ता खोल दिया, जिससे देश में एक जैसी नागरिकता नीति न रह पाने का खतरा पैदा हो गया है।

यह कदम न केवल संवैधानिक अधिकारों को चुनौती देता है, बल्कि प्रवासी परिवारों में भी भारी अनिश्चितता पैदा कर रहा है। भारतीय प्रवासी परिवारों में बच्चे के जन्म को लेकर जल्दबाजी और मानसिक दबाव साफ देखा गया, ताकि वे नागरिकता के अधिकार से वंचित न रह जाएं। अगर यह व्यवस्था लागू रहती है तो अमेरिका की छवि, जो अब तक लोकतंत्र और अवसर के प्रतीक के रूप में देखी जाती रही है, धूमिल होगी।

ट्रंप समर्थकों का मानना है कि इससे अवैध आप्रवास पर रोक लगेगी, लेकिन यह तर्क उन मूलभूत सिद्धांतों पर चोट करता है, जिन पर अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था खड़ी है। नागरिकता का अधिकार किसी की जगह या स्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि यह समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों का प्रतीक होना चाहिए।

इस पूरे विवाद ने यह साबित किया है कि संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायपालिका और समाज की सजगता बेहद ज़रूरी है। अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता का अधिकार केवल एक कानूनी अधिकार नहीं, बल्कि यह उस भरोसे का हिस्सा है जो दुनिया के लोग अमेरिका की व्यवस्था पर करते हैं। इसे बचाना अमेरिका की लोकतांत्रिक पहचान को बचाना है।

पूरी दुनिया के लिए जानलेवा क्यों बने प्लास्टिक बैग? जानें, प्रति मिनट कितने बैग्स का होता है इस्तेमाल

प्लास्टिक बैग्स से मुक्ति: सिर्फ बैन नहीं, व्यवहार बदलना ज़रूरी

हर साल दुनियाभर में 5 ट्रिलियन प्लास्टिक बैग्स इस्तेमाल होते हैं, जिनमें से अधिकतर रिसाइकिल नहीं हो पाते। ये समुद्री जीवों, मिट्टी, हवा और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। प्लास्टिक बैग्स के विकल्प अपनाना ही समाधान है।लगभग रोज ही हम लोग कुछ न कुछ खरीदने के लिए बाजार जाते हैं और दुकानदार हमें सामान देने के लिए एक प्लास्टिक बैग थमा देता है। ये प्लास्टिक बैग हमारी जिंदगी का इतना आम हिस्सा बन गया है कि हमने कभी सोचा ही नहीं कि ये छोटा सा बैग हमारी धरती और समंदर के लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। आज, 3 जुलाई 2025 को International Plastic Bag Free Day के मौके पर हम आपको बताएंगे कि आखिर क्यों प्लास्टिक बैग पूरी दुनिया के लिए विलेन बन गए हैं और ये सुविधा अब कैसे आफत का सबब बन चुकी है।

हर मिनट इस्तेमाल होते हैं 10 लाख प्लास्टिक बैग्स

प्लास्टिक बैग की कहानी 1960 के दशक से शुरू होती है, जब स्वीडन की एक कंपनी नेलोप्लास्ट ने पॉलीथीन से बने हल्के, सस्ते और टिकाऊ बैग्स बनाए। उस वक्त ये बैग्स सुविधा का प्रतीक थे। ये कागज के थैलों से सस्ते थे, पानी में खराब नहीं होते थे और इनको बनाना भी काफी आसान था। देखते ही देखते पूरी दुनिया में ये बैग्स छा गए। लेकिन यही सुविधा धीरे-धीरे एक वैश्विक संकट में बदल गई। आज दुनिया में हर साल 5 ट्रिलियन यानी कि 50 खरब से ज्यादा प्लास्टिक बैग्स इस्तेमाल किए जाते हैं। इसका मतलब यह है कि हर मिनट 10 लाख बैग्स का इस्तेमाल होता है। हैरानी की बात ये है कि एक प्लास्टिक बैग का औसत इस्तेमाल सिर्फ 12 मिनट का होता है, लेकिन इसे पूरी तरह नष्ट होने में 100 से 500 साल तक लग सकते हैं।

प्लास्टिक बैग्स: सुविधा से आफ़त बनने तक की कहानी

जब स्वीडन में 1960 के दशक में पहला प्लास्टिक बैग बना था, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि एक दिन यही बैग पूरी दुनिया के लिए खतरा बन जाएगा। आज हालत यह है कि हर मिनट 10 लाख प्लास्टिक बैग्स इस्तेमाल हो रहे हैं, जिनमें से केवल 1-3% ही रिसाइकिल हो पाते हैं। बाकी समंदर, नदियों, खेतों और हवा को जहरीला बना रहे हैं।

हमारे लिए बाजार जाना और प्लास्टिक बैग में सामान लाना इतना सामान्य हो चुका है कि हमने इसके पीछे छिपी आफ़त को नजरअंदाज कर दिया है। हर साल 50 खरब प्लास्टिक बैग्स का इस्तेमाल और हर बैग का महज 12 मिनट में इस्तेमाल हो जाना, लेकिन इसके बाद सैकड़ों साल तक मिट्टी, पानी और हवा को नुकसान पहुंचाना, इस संकट की गंभीरता को दिखाता है।

भारत में हालात और भी खराब हैं। नालियों के जाम होने से लेकर बाढ़ की स्थिति बनने तक, प्लास्टिक बैग्स ने शहरों में मुसीबत बढ़ा दी है। खेतों में इनसे मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है, और जब इन्हें जलाया जाता है, तो जहरीली गैसें हवा में घुलकर हमारे फेफड़ों तक पहुंच जाती हैं।

सरकारों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर बैन लगाने जैसे कदम उठाए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। यह बैन कागज़ पर तो है, मगर बाजार में आज भी प्लास्टिक बैग्स आसानी से मिल जाते हैं। असल में प्लास्टिक बैग्स की समस्या सिर्फ बैन लगाने से हल नहीं होगी, बल्कि इसके लिए लोगों की आदतों में बदलाव लाना होगा।

लोगों को समझना होगा कि सस्ते प्लास्टिक बैग्स की सुविधा असल में उनके स्वास्थ्य, उनके शहर और उनके बच्चों के भविष्य के लिए आफ़त है। कपड़े या जूट के थैले को अपनी आदत में शामिल करना होगा। छोटे व्यापारी भी अगर अपने ग्राहकों को विकल्प देना शुरू करें, तो यह एक बड़ा कदम होगा।

इसके साथ-साथ सरकारों को रिसाइक्लिंग की व्यवस्था बेहतर करनी होगी ताकि जो प्लास्टिक मौजूद है, उसका सही निपटारा हो सके। स्कूली पाठ्यक्रमों में प्लास्टिक प्रदूषण और उसके विकल्पों पर पाठ शामिल कर नई पीढ़ी को जागरूक किया जा सकता है।

आज जूट, कपड़े और बायोडिग्रेडेबल बैग्स के इस्तेमाल

को अपनाना, स्कूलों और मोहल्लों में जागरूकता बढ़ाना, और दुकानदारों को प्लास्टिक बैग्स से मना करना जैसे छोटे कदम ही इस बड़ी आफ़त को खत्म करने की शुरुआत बन सकते हैं।

महज 1-3% प्लास्टिक बैग्स ही होते हैं रिसाइकिल

प्लास्टिक बैग्स का सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को होता है। ये बैग्स न तो आसानी से गलते हैं और न ही पूरी तरह रिसाइकिल हो पाते हैं। वैश्विक स्तर पर केवल 1-3% प्लास्टिक बैग्स ही रिसाइकिल होते हैं। बाकी या तो लैंडफिल्स में जमा हो जाते हैं या फिर नदियों और समंदर में पहुंचकर तबाही मचाते हैं। हर साल 8 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचता है, जिसमें प्लास्टिक बैग्स का बड़ा हिस्सा होता है। ये बैग्स समुद्री जीवों जैसे कछुओं, मछलियों और व्हेल के लिए जानलेवा साबित होते हैं। हर साल 10 लाख से ज्यादा समुद्री जीव प्लास्टिक निगलने या उसमें फंसने की वजह से मर जाते हैं।

भारत में प्लास्टिक बैग्स की वजह से भारी मुसीबत

भारत में भी प्लास्टिक बैग्स की वजह से हालात चिंताजनक हैं। हमारे शहरों में नालियां और सीवर सिस्टम अक्सर प्लास्टिक बैग्स की वजह से जाम हो जाते हैं। मॉनसून के दौरान मुंबई जैसे शहरों में बाढ़ का एक बड़ा कारण यही प्लास्टिक कचरा है। ये बैग्स बारिश का पानी निकलने से रोकते हैं, जिससे सड़कों पर जलभराव हो जाता है। इसके अलावा, जब सूरज की रोशनी में प्लास्टिक बैग्स टूटते हैं, तो वे माइक्रोप्लास्टिक्स में बदल जाते हैं। ये इतने छोटे कण होते हैं कि मछलियां इन्हें खा लेती हैं, और फिर ये हमारी खाने की थाली तक पहुंच जाते हैं। यानी, प्लास्टिक अब सिर्फ बाहर का नहीं, हमारे शरीर के अंदर का भी खतरा बन चुका है।

खेतों को भी जहरीला बना रहे हैं प्लास्टिक बैग्स

प्लास्टिक बैग्स सिर्फ समुद्र को ही नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जब ये बैग्स खेतों या जमीन पर फेंके जाते हैं, तो ये मिट्टी की उर्वरता को कम करते हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों को नष्ट करते हैं, जो फसलों के लिए जरूरी हैं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह एक गंभीर समस्या है, क्योंकि खेती पर लाखों लोगों की आजीविका टिकी है। इसके अलावा, प्लास्टिक बैग्स जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो हवा को प्रदूषित करती हैं और सांस की बीमारियों को बढ़ावा देती हैं।

प्लास्टिक बैग्स की वजह से बढ़ा सरकारों का खर्च

प्लास्टिक बैग्स का असर सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं है। ये हमारे समाज और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करते हैं। सफाई के लिए सरकारों को हर साल अरबों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। भारत में, नदियों और नालियों की सफाई पर होने वाला खर्च इसका एक उदाहरण है। इसके बावजूद, कचरे का पहाड़ बढ़ता ही जा रहा है। दूसरी तरफ, प्लास्टिक बैग्स का इस्तेमाल कम करने से न सिर्फ पर्यावरण बचेगा, बल्कि जूट और कपड़े के थैलों का कारोबार बढ़ेगा, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यवसायियों को फायदा होगा।

मुसीबत बढ़ी तो अब उठाए जा रहे हैं बड़े कदम

प्लास्टिक बैग्स की इस आफत को देखते हुए दुनिया भर में कदम उठाए जा रहे हैं। International Plastic Bag Free Day, जो 2008 में स्पेन के कैटेलोनिया में शुरू हुआ, अब 100 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को प्लास्टिक बैग्स की जगह टिकाऊ विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कई देशों ने सख्त कदम उठाए हैं। मिसाल के तौर पर, बांग्लादेश ने 2022 में सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग्स पर पूरी तरह बैन लगा दिया। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और कई अफ्रीकी देशों ने भी प्लास्टिक बैग्स पर प्रतिबंध या टैक्स लगाया है। भारत में भी 2022 से सिंगल-यूज प्लास्टिक पर बैन है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे लागू करना अभी भी एक चुनौती है।

प्लास्टिक बैग्स से निजात पाने के लिए क्या करें?

प्लास्टिक बैग्स से निजात पाने के लिए छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। सबसे आसान तरीका है कपड़े या जूट के थैले इस्तेमाल करना। ये न सिर्फ पर्यावरण के लिए अच्छे हैं, बल्कि टिकाऊ और स्टाइलिश भी हैं। आप पुराने कपड़ों से घर पर भी थैला बना सकते हैं। इसके अलावा, दुकानदारों को प्लास्टिक बैग्स देने से मना करें और अपने थैले साथ ले जाएं। स्कूलों और मोहल्लों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित करें। इन छोटे-छोटे कदमों से धीरे-धीरे इस बड़े संकट से निजात पाने में मदद मिल सकती है।

भारत में वक्फ संपत्तियों पर बढ़ती नज़र: मुस्लिम समाज की चिंताएँ और रास्ते

वक्फ बोर्ड पर सरकार और समाज की नजर, संपत्तियों की सुरक्षा, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और समुदाय की प्रतिक्रिया

भारत में वक्फ संपत्तियों का मामला हमेशा से संवेदनशील और चर्चा में रहने वाला विषय रहा है। यह सिर्फ जमीन-जायदाद का मामला नहीं है, बल्कि मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक पहचान से भी जुड़ा है। वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल समाज के गरीब तबके, मदरसों, मस्जिदों और अनाथालयों की देखभाल में होता है। पर हाल के वर्षों में जिस तरह वक्फ संपत्तियों पर सरकारी संस्थाओं और राजनीतिक ताकतों की नजर बढ़ी है, उससे मुस्लिम समाज में चिंता का माहौल बन गया है।

देशभर में वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और हज़ारों करोड़ की संपत्तियां दर्ज हैं। इन संपत्तियों में कई ऐसी भी हैं जो व्यापारिक इलाकों में हैं और जिनकी बाजार कीमतें बहुत ऊँची हैं। इसी वजह से कई बार आरोप लगता है कि कुछ तत्व वक्फ संपत्तियों को कब्जाने, बेचने या इन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल में कई राज्यों में वक्फ संपत्तियों के सर्वे और जांच के आदेश दिए गए हैं। सरकार का तर्क है कि संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता के लिए यह जरूरी है, पर मुस्लिम समाज का एक तबका इसे उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखता है।

वक़्फ़ संपत्तियाँ: एक ऐतिहासिक विरासत

भारत में वक़्फ़ संपत्ति की ऐतिहासिक जड़ें मुग़लकालीन और उससे भी पहले की हैं। वक़्फ़ बोर्डों के माध्यम से इनका प्रशासन होता है, जिनकी स्थापना अंग्रेज़ों के समय हुई थी और आज ये राज्य सरकारों के अधीन कार्य करते हैं। देशभर में लाखों एकड़ भूमि और हजारों इमारतें वक़्फ़ संपत्ति के अंतर्गत आती हैं।

समस्या की जड़: अनदेखी, भ्रष्टाचार और लालच

आज वक़्फ़ संपत्तियाँ दोहरी मार झेल रही हैं — एक तरफ़ सरकारी उपेक्षा और दूसरी ओर भूमाफ़ियाओं की गिद्ध दृष्टि। कई मामलों में वक़्फ़ बोर्ड खुद अपनी संपत्ति का सही लेखा-जोखा नहीं रख पाते। पुराने दस्तावेज़, सीमा निर्धारण और स्वामित्व से जुड़े विवादों के चलते संपत्तियाँ कानूनी पचड़ों में फँसी रहती हैं।

दूसरी ओर, इनकी आर्थिक और भौगोलिक महत्ता को देखकर निजी बिल्डर, राजनीतिक तत्व और स्थानीय दबंग इन पर कब्ज़ा करने का प्रयास करते हैं। कहीं ये संपत्तियाँ सड़क या मेट्रो परियोजना के लिए अधिग्रहित हो जाती हैं, तो कहीं गैरकानूनी ढंग से बेच दी जाती हैं

समुदाय के लिए नुकसान

जब वक़्फ़ संपत्तियों पर कब्ज़ा होता है या इनका दुरुपयोग होता है, तो उसका सीधा असर मुस्लिम समाज की ज़रूरतों पर पड़ता है। मदरसे बंद होते हैं, गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाएँ रुक जाती हैं, और धार्मिक स्थानों की पवित्रता को ठेस पहुँचती है।

राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर खूब आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। कुछ संगठन वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और अवैध कब्जों को लेकर वक्फ बोर्ड की भूमिका पर सवाल उठाते हैं, वहीं मुस्लिम समुदाय के लोग कहते हैं कि वक्फ बोर्डों में सुधार की जरूरत तो है, पर इसके नाम पर सरकारों को इन्हें हथियाने का हक नहीं दिया जा सकता। कई मामलों में देखा गया है कि वक्फ संपत्तियों पर सरकारी विकास योजनाओं के नाम पर कब्जे की कोशिशें होती हैं, जिससे धार्मिक समुदाय में असुरक्षा का माहौल बनता है।

वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखना समय की जरूरत है। मुस्लिम समाज के लोग भी चाहते हैं कि इन संपत्तियों का सही इस्तेमाल हो, इनकी आमदनी गरीबों और मज़हबी संस्थाओं तक पहुंचे और भ्रष्टाचार पर रोक लगे। इसके लिए वक्फ बोर्डों की कार्यशैली में सुधार, डिजिटल रिकॉर्ड, समयबद्ध ऑडिट और पारदर्शी लीज प्रक्रिया जरूरी है। सरकार अगर वाकई ईमानदार है, तो उसे मुस्लिम समुदाय को भरोसे में लेकर पारदर्शी सुधार लागू करने चाहिए, ताकि किसी भी पक्ष को शिकायत का मौका न मिले।

दूसरी ओर, मुस्लिम समाज को भी यह देखना होगा कि वह अपनी संपत्तियों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए युवाओं और जानकारों को आगे लाए, ताकि वक्फ बोर्ड केवल राजनीतिक नियुक्तियों का अड्डा न बनकर समाज की भलाई का माध्यम बन सके। जिन इलाकों में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं, उन्हें छुड़ाने और कानूनी लड़ाई लड़ने में समाज को एकजुट होकर सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। इसके साथ-साथ धार्मिक नेताओं और सामाजिक संगठनों को भी पारदर्शिता लाने के लिए दबाव बनाना होगा, ताकि वक्फ संपत्तियों की आमदनी का सही इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास में हो सके।

वक्फ संपत्तियों का मुद्दा केवल जमीन-जायदाद का मसला नहीं, बल्कि एक समुदाय की धार्मिक, आर्थिक और सामाजिक पहचान से जुड़ा है। अगर इन संपत्तियों पर बेइमानी या राजनीतिक हितों के चलते कुठाराघात होता है, तो इससे समाज की बुनियाद कमजोर होती है। वहीं, अगर वक्फ संपत्तियों का ईमानदारी से प्रबंधन और इस्तेमाल होता है, तो यह समाज की ताकत बन सकती है।

आज जरूरत इस बात की है कि सरकार और मुस्लिम समाज दोनों इस मुद्दे को टकराव का विषय न बनाकर सहयोग और पारदर्शिता के रास्ते पर आगे बढ़ें। वक्फ संपत्तियों का संरक्षण, सही इस्तेमाल और पारदर्शी प्रबंधन न सिर्फ मुस्लिम समाज के लिए, बल्कि देश के सामाजिक ताने-बाने की मजबूती के लिए भी जरूरी है। सरकार अगर समाज के हित में काम करना चाहती है, तो उसे मुस्लिम समाज की आशंकाओं को दूर कर, भरोसा कायम करते हुए, साफ नीयत और साफ नीतियों के साथ आगे बढ़ना होगा। वहीं मुस्लिम समाज को भी जागरूक होकर वक्फ संपत्तियों की हिफाजत और विकास में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, ताकि यह संपत्तियां आने वाली नस्लों के लिए दुआ और ताकत का सबब बन सकें।

क्या है सरकार की मंशा?

सरकार का तर्क है कि वक्फ संपत्तियों का समुचित प्रबंधन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना ज़रूरी है, ताकि इनका दुरुपयोग न हो। कई मामलों में वक्फ संपत्तियाँ वर्षों से अतिक्रमण का शिकार रही हैं, या फिर उनका उपयोग निजी लाभ के लिए किया गया है। ऐसे में सरकार का हस्तक्षेप एक प्रकार से सकारात्मक कदम कहा जा सकता है, यदि उसका उद्देश्य इन संपत्तियों को धार्मिक और सामाजिक हित में प्रयोग में लाना हो।

चिंताएं और विरोध

हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्ग इसे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देख रहे हैं। उनका कहना है कि वक्फ एक धार्मिक संस्था है और इसके संचालन में सरकार की अत्यधिक दखलंदाजी संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकती है। इसके अलावा, वक्फ बोर्डों को भंग करने या उनके अधिकार सीमित करने के प्रयास भी धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध माने जा रहे हैं।

समाधान की ओर

इस मुद्दे का समाधान न्यायिक निगरानी में पारदर्शी ऑडिट, संपत्ति रजिस्ट्रेशन की डिजिटल प्रक्रिया, और समुदाय की भागीदारी बढ़ाकर किया जा सकता है। वक्फ संपत्ति न तो सरकार की है, न किसी व्यक्ति विशेष की – यह समुदाय की अमानत है। अतः इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में सरकार का यह कर्तव्य है कि वह सभी धार्मिक संस्थाओं के साथ समान व्यवहार करे। वक्फ संपत्तियों पर नजर रखना यदि सार्वजनिक हित में हो, तो उसका स्वागत है, लेकिन यदि इसका उद्देश्य केवल नियंत्रण और हस्तक्षेप है, तो यह न केवल असंवैधानिक है, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी जन्म दे सकता है। ऐसे में एक संतुलित, पारदर्शी और संवेदनशील नीति की आवश्यकता है जो न केवल कानून सम्मत हो, बल्कि धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का भी सम्मान करती हो।

राज्य महिला सदन में 11 आवासनियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन

-राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। शर्मा शुक्रवार को राज्य महिला सदन, सांगानेर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमारी सरकार की सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह आयोजन सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित बेटियों के लिए एक नया सवेरा है। इससे उन्हें सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

पारदर्शिता से चुने गए योग्य जीवनसाथी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सामूहिक विवाह के बाद 1900 से अधिक युवकों ने यहां की बेटियों से विवाह के लिए आवेदन किया था। इनमें से 11 योग्य युवकों का चयन किया गया, जो आज हमारी लाड़लियों के जीवनसाथी बने हैं। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, इसमें बेटियों के सम्मान और पसंद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता

शर्मा ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश की हर बेटी, हर महिला न केवल आत्मनिर्भर बने, बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। हमारी सरकार ने उनके कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ लाखों बालिकाओं और महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह के लिए 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने 11 लाड़लियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21-21 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक भेंट किए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी 81.61 करोड़ रुपये लागत के 20 अटल पथों की मंजूरी

-अब तक 574.11 करोड़ रुपये की लागत से 269 अटल प्रगति पथ स्वीकृत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में बनने वाले 20 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति दी है। उपमुख्यमंत्री ने 14 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 81.61 करोड़ रूपये की लागत से 49.10 किमी लम्बाई के अटल प्रगति पथों की स्वीकृति प्रदान की है।

इस स्वीकृति के तहत विधानसभा क्षेत्र नोखा में 11.29 करोड़ रूपये की लागत से 7 किमी लम्बाई के 3, लूणी में 13.50 करोड़ रूपये की लागत से 9 किमी के 3, खेतड़ी में 5.10 करोड़ रूपये की लागत से 3.70 किमी के 2, श्रीडूंगरगढ़ में 9 करोड़ रूपये की लागत से 6 किमी के 2, अनूपगढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 1.60 किमी के 1, लूणकरणसर में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, बैंगू में 4.47 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, चित्तौड़गढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, मनोहरथाना में 4.50 करोड़ की लागत से 2.90 किमी के 1, खानपुर में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मण्डावा में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मेड़ता में 4.50 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, राजसमंद में 3.15 करोड़ की लागत से 2 किमी के 1 तथा सिरोही में 3.60 करोड़ की लागत से 1.70 किमी के 1 अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जायेगा।

गौरतलब है कि अब तक 574.11 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 700.12 किमी लम्बाई के 269 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति उपमुख्यमंत्री द्वारा जारी की जा चुकी है।

स्टेट रिव्यू मिशन- प्रमुख शासन सचिव ने उदयपुर में किया स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण

-राज्य स्तरीय टीमों ने किया दौरा, लिया अस्पतालों का जायजा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। स्टेट रिव्यू मिशन के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ 10 टीमों के साथ उदयपुर पहुंची। श्रीमती राठौड़ ने शुक्रवार को उदयपुर जिले में स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान राज्य स्तर से आई टीमों ने भी अलग-अलग संस्थानों पर पहुंच कर चेकलिस्ट के अनुसार सघन निरीक्षण किया।

प्रमुख शासन सचिव श्रीमती राठौड़ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक उदयपुर संभाग डॉ. प्रकाश चंद्र शर्मा, उपनिदेशक डॉ. पंकज गौड़, सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह, आरसीएचओ डॉ. राकेश गुप्ता, डीपीएम सदाकत अहमद उपस्थित रहे।

सीएचसी नाई के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. मीठा लाल मीणा ने सभी का स्वागत करते हुए निरीक्षण करवाया। प्रमुख शासन सचिव ने ओपीडी, डीडीसी, जनरल वार्ड, प्रसूता महिला वार्ड एवं ओपरेशन थियेटर का निरीक्षण किया और लेबर रूम एवं पूरे अस्पताल की साफ-सफाई की सराहना की। उपस्थित मरीजों से वार्तालाप कर सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी ली। अस्पताल में दी जा रही निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना की जानकारी ली। सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि प्रमुख शासन सचिव महोदया वहां से झाड़ोल के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र मगवास पहुंची सीएचओ और एएनएम से उपलब्ध योजनाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही सभी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलासिया के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटडा के निरीक्षण में साफ सफाई और अव्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक 5 को-

सीएमएचओ डॉ. आदित्य ने बताया कि प्रमुख शासन सचिव सहित राज्य स्तर से आयी अन्य टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर निरीक्षण किया। शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में इससे संबंधित समीक्षा बैठक होगी। इसमें जिला और खण्ड स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे।

कृषक उपहार योजना में किसानों को मिले नगद पुरस्कार

-शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने चेक वितरित कर किया सम्मानितसस

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा किसानों को ई-नाम एवं ई-पेमेंट को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लागू की गई कृषक उपहार योजना के तहत चयनित कृषकों को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन में राज्य स्तरीय ऑन-लाइन लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों को पुरस्कार स्वरूप चेक वितरित कर सम्मानित किया।

योजना के तहत कृषि उपज मण्डी कोटा के कृषक गोलू (मनजीत सिंह) के 2 लाख 50 हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार, हनुमानगढ़ मण्डी के कृषक ओम प्रकाश के 1 लाख 50 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार और कोटा कृषि उपज मंडी मण्डी के कृषक रामभरोस के 1 लाख रूपये का तृतीय पुरस्कार निकला था। जिन्हें शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा चेक वितरित कर सम्मानित किया गया।

इन किसानों को उनके राज किसान पोर्टल पर पंजीकृत ई-नाम और ई-पेमेंट आधारित विक्रय लेनदेन के आधार पर राज्य स्तरीय ऑन-लाइन लॉटरी प्रक्रिया से चयनित किया गया।

शासन सचिव ने इस अवसर पर किसानों को बधाई देते हुए कहा कि कृषक उपहार योजना न केवल किसानों को डिजिटलीकरण की ओर प्रोत्साहित करती है, बल्कि उन्हें पारदर्शिता व समय पर भुगतान का लाभ भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने मंडी समितियों और अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक किसानों को इस योजना से जोड़ें ताकि वे इसका लाभ ले सकें।

कृषक उपहार योजना के अंतर्गत राज्य में ई-नाम पोर्टल के माध्यम से कृषि उपज का ऑनलाइन विक्रय और ई-पेमेंट के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जाता है। योजना के तहत पुरस्कार मण्डी स्तर पर प्रत्येक 6 महीने में गेट पास की विक्रय पर्चियों तथा ई-पेमेन्ट की विक्रय पर्चियों के आधार पर अलग-अलग प्रथम पुरस्कार 25 हजार, द्वितीय 15 हजार और तृतीय 10 हजार रूपये के ईनाम दिये जाते है।

खण्ड स्तर पर प्रत्येक 6 महीने में 50 हजार रूपये, 30 हजार रूपये और 20 हजार रूपये प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के तौर पर दिये जाते है। साथ ही राज्य स्तर पर वर्ष में एक बार प्रथम पुरस्कार 2 लाख 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 50 हजार और तृतीय पुरस्कार 1 लाख रूपये के दिये जाते है।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले किसानों को संबंधित मंडी समिति द्वारा राशि का भुगतान किया जाता है, जिसके पश्चात मंडी समिति राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड से पुनर्भरण प्राप्त करती है।

यह योजना राज्य सरकार के डिजिटल और पारदर्शी कृषि विपणन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का अधिकतम लाभ दिलाना और उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ना है।

इस अवसर पर संयुक्त सचिव वित विभाग डॉ. भारती दीक्षित, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान, निदेशक फसलोत्तर प्रबंधन रविन्द्र कुमार शर्मा, योजना प्रभारी प्रमोद कुमार सत्या सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जेडीए ने उन्नीस बीघा भूमि पर पॉच अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-04 जोन-12 निजी खातेदारी करीब 11 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीकर रोड़, ग्राम जाहोता, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयरामपुरा, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा तथा इसी के पास 03 बीघा कुल 09 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, मुड्डियां व अन्य अवैध निर्माण कर 02 नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित नायला रोड़, कानोता, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "ज्वाला विहार" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम हरध्यानपुरा, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "श्री लक्ष्मणगढ़" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, तृतीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 215 आज तक कुल 598 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री ने की जल जीवन मिशन सहित पेयजल योजनाओं की समीक्षा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ में जिला परिषद परिसर में चित्तौड़गढ़ एवं प्रतापगढ़ के जन स्वास्थ्य एवं पेयजल से जुड़ी योजनाओं की विधानसभा क्षेत्रवार समीक्षा बैठक ली।

बैठक में मंत्री कन्हैयालाल ने जल जीवन मिशन, हैंडपंप एवं ट्यूबवेल मरम्मत, ग्रामीण एवं शहरी जलप्रदाय योजनाएं, तथा बजट घोषणाओं के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को निरंतर एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

जल एक प्राथमिकता मंत्री का स्पष्ट संदेश-

मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताएं हर नागरिक का अधिकार हैं, और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने चित्तौड़गढ़, निंबाहेड़ा, छोटीसादड़ी सहित अन्य उपखंडों में जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं के भौतिक व वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नाकारा हैंडपंपों और ट्यूबवेलों की सूची तैयार कर उन्हें शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, शहरी जलप्रदाय योजनाओं की भी प्रगति की समीक्षा की गई और धीमी गति से चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा-

बैठक में प्रतापगढ़ जिले की जाखम परियोजना तथा चंबल परियोजना के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की समीक्षा की गई। मंत्री ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों ने रखी जनसमस्याएं-

इस अवसर पर निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या तथा जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी पेयजल संबंधी समस्याओं की ओर मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। मंत्री ने प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से चर्चा करते हुए समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री कन्हैयालाल ने अंत में अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि पेयजल संकट से संबंधित किसी भी शिकायत का तत्काल समाधान प्राथमिकता पर किया जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जयपुर में सर्वाधिक 1 लाख 98 हजार 272 अपात्र लाभार्थियों ने किया 'गिव अप'

-अपात्र लाभार्थियों द्वारा 'गिव अप' मामले में 41 जिलों में प्रथम स्थान पर जयपुर जिला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति को स्वेच्छा से नाम हटवाने के लिए प्रेरित करने हेतु जयपुर जिले में 'गिव अप' अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत जयपुर जिले में सर्वाधिक 1 लाख 92 हजार 272 अपात्र व्यक्तियों ने गिव अप किया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं जिले में गिव अप अभियान के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। गिव अप अभियान के तहत अपात्रों के गिव अप करने के मामले में राज्य के 41 जिलों में जयपुर ने प्रथम स्थान पर है।

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर में जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक मुहिम के तहत गिव अभियान का संचालन किया जा रहा है। रात्रि चौपाल, जन सुनवाई, ग्राम सभा सहित समस्त सार्वजनिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित समाज मौजिज लोगों द्वारा सर्व साधारण को गिव अप के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यही कारण है कि गिव अप अभियान को जयपुर जिले में आमजन का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित हो रही नियमित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई कार्यक्रमों में जिला प्रशासन द्वारा प्रोत्साहित किये जाने पर आमजन गिव अप के लिए आगे आ रहे है।

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ कार्यालय द्वारा सख्ती बरती जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर में योजना के 1 हजार 536 अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने गिव अप अभियान की आगामी 31 अगस्त, 2025 तक संचालित करने का फैसला किया गया है।

उन्होंने बताया कि 31 अगस्त 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी। उसके पश्चात शास्ति की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उप व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जाएगी। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्मिकों की सूचियां तैयार की जा रही हैं एवं ऐसे कार्मिकों के संबंधित विभागों को वसूली की राशि कार्मिक के मासिक वेतन से कटौती करने हेतु लिखा जावेगा।

उन्होंने बताया कि गिव अप अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्ध सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी या अधिकारी हो अथवा 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो अथवा जिसके सभी सदस्यों की कुल आय 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक हो या निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता हो सम्मिलित है, को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने हेतु आवेदन करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अब तक हजारों परिवारों द्वारा गिव अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है।

थाना मालपुरा गेट की बड़ी कार्यवाही दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

मोहम्मद सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर,(रॉयल पत्रिका)। आजकल वाहन चोरों का गिरोह बहुत सक्रिय हो गया है। जिसके कारण सांगानेर पुलिस द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है।हाल ही में पुलिस थाना मालपुरा गेट की टीम ने दो शातिर बदमाश वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम आईपीएस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जयपुर शहर में चोरी एवं नकबजनी की वारदात करने वाले अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने के लिए सभी थानों को निर्देशित किया गया है। परिवादी मुकेश कुमार जाट हाल निवास गोवर्धन नगर सांगानेर ने मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर रजिस्ट्रेशन नंबर RJ 14 DU 8057 वाहन चोरी की रिपोर्ट 4 अप्रैल 2025 को दर्ज कराई थी। सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा के सुपरविजन में तथा मालपुरा गेट थाने के इंचार्ज मुनीम मुनींद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिसमें बलवीर सिंह हेड कांस्टेबल, सूरजमल हेड कांस्टेबल, कर्ण सिंह, विजय नाम, राम कल्याण, हेमराज,पवन कांस्टेबल की टीम ने पूर्व में चालान शुदा अपराधियों से पूछताछ की। फिर घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज चैक करके एवं मिली जानकारी के अनुसार एवं हुलिया के आधार देर पर आरोपियों को चिन्हित किया गया। जिसमें राजू पुत्र लड्डू लाल जाति ब्राह्मण उम्र 27 साल निवासी नासिया कॉलोनी देई थाना देई जिला बूंदी हाल निवास चौकी ढाणी के पीछे थाना सांगानेर सदर। दूसरा अपराधी अजय पुत्र लालचंद जाति धाकड़ उम्र 30 साल निवासी खोरा पिरावली थाना बयाना जिला भरतपुर हाल निवास दुकान नंबर 62 मुहाना मंडी थाना मुहाना जयपुर दक्षिण को गिरफ्तार किया। दोनों वांटेड अपराधी है। एक हिस्ट्रीशीटर है। दोनों के ऊपर 41 केस दर्ज है वर्तमान में दोनों अपराधी पुलिस अभीरक्षा में है। जिसमें अनुसंधान जारी है। जिससे अन्य वारदातों में भी खुलासा होने की संभावना है। विशेष भूमिका- उक्त कार्यवाही में कानि. कर्ण सिंह 10894 की मुख्य भूमिका रही जिसकी सभी ने तारीफ की है।

आवश्यक नम्बर
रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज सीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड हॉस्पिटल	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

चिड़ावा में अंत्योदय संबल शिविर का जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

-लाभार्थियों को मिली राहत की सौगातें

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत गुरुवार को चिड़ावा उपखंड की ग्राम पंचायत सोलना में आयोजित शिविर का जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करवाया। इस दौरान ग्राम सोलाना निवासी महेन्द्र कुमार पुत्र गुलाब सिंह जाट एवं महरमपुर निवासी केला देवी पत्नी रामनिवास नाई की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान कर उन्हें बड़ी राहत दी गई। महेन्द्र कुमार लंबे समय से अपने आवासीय मकान के पट्टे के लिए प्रयासरत थे। शिविर में जिला कलेक्टर को जानकारी देने पर उन्होंने तत्काल विकास अधिकारी को निर्देशित कर मौके पर ही 174.31 वर्ग गज भूमि का पट्टा प्रदान करवाया।

इसी प्रकार केला देवी ने बताया कि राजस्व रिकॉर्ड में उसके पति का नाम गलत रूप से "निवासराम" अंकित था, जिसे शिविर के दौरान दुरुस्त कर "रामनिवास" करवाया गया। जिला कलेक्टर के आदेश से संबंधित रिकॉर्ड में संशोधन कर सक्षम आदेश भी जारी किए गए।

समस्या के समाधान पर महेन्द्र कुमार एवं केला देवी ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन, उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सोलाना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर की कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर कई अन्य ग्रामीणों ने भी प्रशासन की तत्परता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से आमजन को त्वरित राहत मिल रही है और शासन की योजनाएं जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। 500 पौधे रोपे गए: इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा 500 पौधे लगाए गए, वहीं एक लाभार्थी को आवासीय पट्टा भी वितरित किया गया। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा सीमा ज्ञान के 9, नामान्तरण के 35 तथा खाता दुरूस्ती का 1 प्रकरण निस्तारित किया गया। विधुत विभाग ने 7 प्रकरणों का समाधान किया। रसद विभाग द्वारा 52 प्रकरण निपटाए गए, जिसमें राशन संबंधी समस्याएं प्रमुख रहीं। आधार सीडिंग के 14 तथा एनएफएसए ई-केवाईसी के 24 प्रकरण पूर्ण किए गए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने 03 प्रकरण निस्तारित किए। कृषि विभाग द्वारा 30 मृदा नमूने लिए गए। वन विभाग ने 27 पौधे वितरित किए। चिकित्सा विभाग द्वारा टीबी रोग की रोकथाम हेतु 40 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई। पशुपालन विभाग ने 98 पशुओं की चिकित्सा जांच कर आवश्यक उपचार प्रदान किया। शिविर के दौरान जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने विभागीय कार्यों की समीक्षा कर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

इस मौके पर उपखंड अधिकारी चिड़ावा डॉ. नरेश सोनी, सरपंच सोलाना सुनील कुमार, विकास अधिकारी अनीषा बिजारणिया, तहसीलदार कमलदीप पूनिया, सीएचसी प्रभारी डॉ. तेजपाल कटेवा, नायब तहसीलदार बलवीर सिंह, एडीओ राजेन्द्र सिंह डूडी, ग्राम विकास अधिकारी संदीप कलिया सहित अन्य अधिकारी, कार्मिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर काना राम ने किया चौथ का बरवाड़ा शिविर का निरीक्षण

शादाब अली

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत चौथ का बरवाड़ा के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित शिविर का जिला कलक्टर काना राम ने आकस्मिक निरीक्षण किया,300 से अधिक मामलों को शिविर के दौरान जिला कलक्टर, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को कार्यों से संबंधित दस्तावेजों, आयुष्मान कार्ड, मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड तथा आवासीय पट्टे स्वीकृतियां आदि का मौके पर ही वितरण किया गया। शिविर में स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 3 पट्टे का वितरण, 15 मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए, 72 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की और 36 नामांतरण प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारण किया गया। इसके साथ ही सीमाज्ञान के 9 प्रकरण एवं 6 रास्तों के प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं समाज कल्याण द्वारा 34 पेंशनरों, एनएफएसए के 141 आवेदनों, 120 परिवारों की आधार सीडिंग करवाई गई। उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा इन शिविरों में राजस्व, शिक्षा, पशुपालन, डिस्कॉम, पीएचईडी, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, रसद, कृषि सहित विभिन्न विभाग के बिजली के झुलते तारों को खिचवाना, लंबित नल कनेक्शन शीघ्र जारी करना, लंबित नामान्तरणों का निस्तारण, रास्ते के प्रकरणों का निस्तारण, नर्सरियों से पौधों का वितरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, एनसीडी स्क्रीनिंग, टीकाकरण, मंगला पशु बीमा का लाभ, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों का सत्यापन सहित विभिन्न कार्य करवाएं जा रहे है। उन्होंने प्रत्येक आमजन से इन शिविरों के तहत करवाएं जा रहे कार्यों का लाभ उठाने एवं अन्य को भी प्रेरित करने की बात कहीं। उन्होंने शिविर में मौजूद विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप राहत पहुचाने के निर्देश भी दिए। यूडीआईडी कार्ड के लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने, विशेषयोग्जनों के पेंशन सत्यापन के लिए ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाईन सत्यापन कराने के निर्देश ग्राम विकास अधिकारी को दिए। उन्होंने जलापूर्ति की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर टंकियों की नियमित साफ-सफाई करने, सप्लाई लाईन की लीकेज दुरूस्त करवाकर अंतिम छोर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा को प्रवेशोत्सव के दौरान सभी राजकीय विद्यालयों में अधिकाधिक बच्चों के प्रवेश एवं हरियालो राजस्थान के तहत सभी विद्यालयों में पौधारोपण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के द्वारा प्रति पटवारी को आपसी सहमति से 5 बंटवारे सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान वहां मौजूद ग्रामीणों से संवाद कर उनके द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया।

महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज के ऑपरेशन वज्र से नही बच पाया ईनामी तस्कर गुरबाज

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। बीकानेर संभाग के पुलिस थाना लालगढ़ जाटान में मादक पदार्थ तस्करी प्रकरण में वांछित था ईनामी तस्कर गुरबाज सिंह। बीकानेर रेंज कार्यालय स्पेशल टीम की बडी सफलता 15000/- रूपये का ईनामी तस्कर गिरफ्तार। ओमप्रकाश आई.पी.एस., महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज द्वारा वांछित अपराधियों व संगठित अपराधों की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन वज के अन्तर्गत बीकानेर रेंज के श्रीगंगानगर जिले के पुलिस थाना लालगढ़ जाटान के 4 अप्रैल 2024 को नशीली गोली की तस्करी में वांछित गुरबाज सिंह उर्फ ककनी पुत्र जम्बर सिंह जाति मजबी सिख निवासी मलखेड़ा पुलिस थाना टिब्बी जिला हनुमानगढ़ जो लम्बे समय से रूहपोश होकर फरारी काट रहा था, जिस पर पुलिस अधीक्षक, जिला श्रीगंगानगर द्वारा 15000/- रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। तस्कर गुरबाज सिंह मादक पदार्थ तस्करी का आदतन तस्कर है जो पंजाब राजस्थान व हरियाणा में मादक पदार्थो की तस्करी करता है। जो शातिर व चालाक है, जो पिछले लम्बे समय से फरारी काट रहा था। रेंज कार्यालय द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन वज के तहत रेंज कार्यालय की स्पेशल टीम ने लगातार सूचना संकलन कर हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना क्षेत्र से दस्तयाब किया गया। मुल्जिम से मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क के सम्बन्ध में गंभीरतापूर्वक अनुसंधान किया जाएगा। पुलिस की आमजन से अपील पुलिस विभाग आमजन में विश्वास व अपराधियों में भय के ध्येय को लेकर महानिरीक्षक पुलिस के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी है जिससे राजस्थान पुलिस के प्रति लोगो का विश्वास मजबूत हुआ है। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर रेंज कार्यालय टीम की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। रेंज कार्यालय की स्पेशल टीम मे देवीलाल सहारण उपनिरीक्षक, विमलेश कुमार, आरीफ हुसैन, आत्माराम रहे।

करमोदा के विद्यालयों में वृक्षारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, प्राकृतिक सोसायटी एवं फतेह पब्लिक स्कूल सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमोदा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी बलजीत मीणा एवं प्राकृतिक सोसायटी की अध्यक्ष रूपिंदर कौर द्वारा विद्यार्थियों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में लगभग 50 पौधे रोपित कर लगभग 300 पौधे उपस्थित विद्यार्थियों को वितरित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को रोपित पौधों के संरक्षण, नियमित सिंचाई एवं देखभाल हेतु प्रेरित किया गया। क्षेत्रीय अधिकारी एवं प्राकृतिक सोसायटी की अध्यक्ष द्वारा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया एवं दैनिक जीवन में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कपड़े से बने थैले वितरित किए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों जैसे कपड़े एवं जूट से निर्मित थैलों के उपयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता राजकुमार गुर्जर, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी आकांक्षा शर्मा, डॉ. अंजलि उपाध्याय तथा फतेह पब्लिक स्कूल से हनुमान प्रसाद वैष्णव, विद्यालय स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना एवं स्कूली विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना रहा।

आटूनकलां शिविर में 48 पट्टे, 26 मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड, 7 पोषण किट

-10 नामांतरण प्रकरणों का मौके पर निस्तारण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल के निर्देशानुसार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के तहत आयोजित शिविरों में आमजन को विभिन्न योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान कर लाभांवित किया जा रहा है। विकास अधिकारी जगदीश मीना ने बताया कि शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के तहत आटूनकलां के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित शिविर में अलग-अलग योजनाओं के लाभार्थियों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया। शिविर में स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 48 पट्टे का वितरण, 26 मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए, 7 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की और 10 नामांतरण प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर इतने कम समय में मिलने से लाभार्थियों के चेहरों पर संतोष और उम्मीद की झलक साफ दिख रही थी। सभी लाभार्थियों ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार वास्तव में गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए समर्पित है। इस सरकार की योजनाएं धरातल पर उतर रही है जिससे पात्र वंचित लोगों को एक ही छत के नीचे इनती सारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

बारां जिले के वन क्षेत्रो में ताबड़तोड़ कार्यवाही, 6 ट्रैक्टर जप्त किए

फिरोज खांन वारसी

छबड़ा,बारां (रॉयल पत्रिका)। उप वन संरक्षक अनिल यादव के निर्देश में गठित टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए 6 ट्रेक्टर जब्त किए। बारां उप वन संरक्षक अनिल यादव के निर्देश अनुसार अतिक्रमण के खिलाफ अभियान के तहत रेंज छबड़ा में रविवार व सोमवार रात्रि को गस्त दौरान नाका पाली के जाला से वन क्षेत्र से दो ट्रैक्टर हंकाई करते हुए, नाका कड़ैयाहाट वन क्षेत्र पटपड़ी वनखंड कोटडा मेघनाथ में वन क्षेत्र में मक्का की बुवाई करते हुए एक ट्रैक्टर एवं नाका पाली के वन क्षेत्र मोरेली वनखंड टूटी बल्डी वन क्षेत्र के अंतर्गत रात्रि गस्त दौरान वन क्षेत्र में अवैध रूप से हंकाई करते एक ट्रैक्टर जब्त कर रेंज परिसर में खड़ा किया।

दोबारा वन क्षेत्र की गस्त के लिए रवाना होकर नाका छबड़ा के वन क्षेत्र उदपुरिया वनखंड घट्टा मैं बुवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जप्तकर रेंज परिसर छबड़ा में खड़ा किया गया। फिर नाका जेपला के ग्राम अल्लापुरा की गस्त कर लौटने के दौरान वन क्षेत्र ग्राम घट्टा वनखंड घट्टा से बुवाई करते एक ट्रैक्टर जब्त कर रेंज परिसर में खड़ा किया गया। इस प्रकार रविवार व सोमवार रात्रि गस्त के दौरान वन क्षेत्र में हकाई बुवाई करते 6 ट्रैक्टर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी भारत राठौड़, मोहम्मद अखलाक, बलराम सहरिया, जितेंद्र सहरिया, राकेश चौधरी, अरविंद चौधरी, सनी देओल सहरिया, कल्लू सिंह मीणा, इंदरराज नागर आदि शामिल रहे।

'मीडिऐशन फॉर द नेशन' के तहत जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा किया गया बैठक का आयोजन

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी, सुप्रीम कोर्ट) के सहयोग से माननीय उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों, तालुका न्यायालयों, राज्य स्तरीय न्यायाधिकरणों और आयोगों के साथ-साथ अन्य अर्ध-न्यायिक मंचों में लंबित मामलों के लिए 90 दिनों का व्यापक मध्यस्थता अभियान 'मीडियेशन फॉर द नेशन' अभियान का प्रारम्भ किया गया है जिसके सफल संचालन हेतु तनवीर चौधरी, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, हनुमानगढ़ की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त बैठक में दीपक कुमार, विशिष्ट न्यायाधीश, पोक्सो प्रकरण, पृथ्वी पाल सिंह, विशिष्ट न्यायाधीश, एनडीपीएस प्रकरण, अशोक कुमार टाक, न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, डॉ. सरिता स्वामी, विशिष्ट न्यायाधीश एससी/एसटी प्रकरण, दीपक पाराशर, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं. 01, श्रीमति सुनिता बेड़ा सज्जन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रवि प्रकाश बाकोलिया, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अविनाश चांगल, न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय, सुश्री मीनाक्षी अग्रवाल, न्यायिक मजिस्ट्रेट, एवं सुश्री सीमा गोयल अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

तनवीर चौधरी जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा उक्त अभियान में दिये गये निर्देशानुसार उपस्थित अधिकारीगण को उनके न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों में से मध्यस्थता हेतु उपयुक्त प्रकरणों को चिन्हित करते हुए चिन्हित प्रकरणों के पक्षकारान को मध्यस्थता केन्द्र में निर्धारित दिनांक को उपस्थित रहने हेतु नोटिस जारी कर मध्यस्थता केन्द्र में रेफर करते हुए अभियान को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

असनावर में कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़/असनावर, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्नोई का जन्मदिन कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड के जिलाध्यक्ष नईम पठान उर्फ लक्की के नेतृत्व में कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने असनावर कस्बे में बाबा रामदेव मंदिर प्रांगड़ में पौधारोपण कर मनाया। इस अवसर पर ब्लॉक महासचिव बालकिशन पाटीदार, ब्लॉक महासचिव सेवादल भेरूलाल बैरवा, दलजगत इंचार्ज सेवादल रघुवीर सिंह, जिला सचिव सेवादल नासिर मंसूरी,ब्लॉक महासचिव सेवादल, घनश्याम गुर्जर, ब्लॉक सचिव सेवादल राकेश भील, नगर अध्यक्ष असनावर सेवादल मांगीलाल मेघवाल,हुकमचन्द यादव, राकेश मेघवाल, कंवरलाल रजक, राजू यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक

झुंझुनू,(रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय महिला समाधान समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की समीक्षा बैठक जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने विभिन्न मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने इस दौरान विभाग द्वारा 'बेटी जन्मोत्सव' पर दिए जाने वाले बधाई संदेश पत्र का भी विमोचन किया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि बैठक में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के संचालन, सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रगति, पीसीपीएनडीटी एक्ट की प्रगति, पन्नाध्याय सम्मान एवं सुरक्षा केंद्र की प्रगति, बाल विवाह निषेध एवं महिला नीति आदि पर समीक्षा की गई। बैठक में एडीएम अजय कुमार आर्य, अतिरिक्त कोषाधिकारी प्रेरणा कालेर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, सीडीपीओ मंजूलता मील समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिभावान सम्मान समारोह को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। रावणा राजपूत समाज संस्थान की ओर से आगामी दिनो मे आयोजित होने वाले शहर स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह की भव्य तैयारियो को लेकर जिला सभा भवन सर्वोदय नगर में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। रावणा राजपूत समाज संस्थान के शहर अध्यक्ष रतनसिंह झाला ने जानकारी देते हुये बताया कि समाज के प्रतिभावान सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर समाजबंधुओं की बैठक आयोजित की गई जिसमें शहरभर की समाज ईकाईयों के सदस्यों पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया। बैठक में रावणा राजपूत समाज प्रतिभावान सम्मान समारोह के आयोजन की जिम्मेदारी रावणा राजपूत समाज विकास समिति सोसायटी नगर ईकाई को सौंपी गई। इस दौरान बैठक में संरक्षक मूलसिंह भाटी जिलाध्यक्ष प्रमेन्द्रसिंह परिहार महिला जिलाध्यक्ष सिंधु कंवर चौहान सोसायटी नगर ईकाई अध्यक्ष विक्रमसिंह भैंसाणा देवीसिंह चौहान संतुसिंह सोंलकी, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार एवं समाज की ईकाईयों के अध्यक्ष पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

झुंझुनूं जिला अभिभाषक संस्था ने न्यायाधिपति जैन का किया भव्य स्वागत

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ के न्यायाधिपति अशोक कुमार जैन का शुक्रवार को झुंझुनूं आगमन पर झुंझुनूं जिला अभिभाषक संस्था ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष मनोज मील, जिला एवं सेंशन न्यायाधीश दीपा गुर्जर समेत जिले के विभिन्न न्यायिक अधिकारी उपस्थित थे। आरंभ में न्यायाधिपति जैन का दो नन्ही बच्चियों ने तिलकार्चन कर स्वागत किया, तत्पश्चात न्यायाधीपति का अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष सुभाष पूनियां, बिरजू सिंह शेखावत, सचिव पवन, सतीश कुल्हरी आदि पदाधिकारियों ने 31 किलो फूलो की माला पहनाकर तत्पश्चात एडवोकेट भगवान सिंह शेखावत, कमलेश झाझडिया, नफीस खान, महेशचंद्र शर्मा, उम्मेदराज सैनी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित वकीलो ने उनका माल्यार्पण किया। किरण बियाला ने जिला एवं सेंशन न्यायाधीश का बुके देकर स्वागत किया वहीं मंचस्थ अतिथिगणो एडवोकेट सतीश कुल्हरी, दिलीप सिंह, पीपी सुरेन्द्र भाम्बू, विजयपाल द्वितीय, मुस्ताक खान, सचिव, अध्यक्ष सहित जिला एवं सेंशन न्यायाधीश तथा न्यायाधीपति का भी वकीलो ने माला पहनकार स्वागत किया। महेश चंद्र शर्मा ने संचालन व न्यायाधीपति का माल्यार्पण भी किया। इस अवसर पर बुहाना के अभिभाषक संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, खेतड़ी के अध्यक्ष अजीत तंवर, चिड़ावा के शीशराम बोला आदि उपस्थित थे। झुंझुनूं बार अध्यक्ष पूनिया समेत विभिन्न बार एसोसियेशन के अध्यक्षों ने न्यायाधीपति को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

उर्मिला जैन को क्लब विस्तार के लिए विशेष अवार्ड, प्रेसिडेंट सीमा अग्रवाल को मिला ' बेस्ट प्रेसिडेंट का सामान

-इनरव्हील क्लब बाँरा को एसेम्बली में 16 पुरस्कार मिले

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां ने इनरव्हील क्लब बीकानेर द्वारा आयोजित भव्य एसेम्बली "दीपः एक प्रकाश, एक प्रेरणा" में अपनी उल्लेखनीय सामाजिक सेवाओं एवं गतिविधियों के लिए शानदार उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर क्लब का प्रतिनिधित्व प्रेसिडेंट सीमा अग्रवाल और चंद्रा ठाकुरिया ने किया। कार्यक्रम में सीमा अग्रवाल को उनके नेतृत्व, दूरदर्शिता और सेवा-भावना के लिए "बेस्ट प्रेसिडेंट" के अवार्ड से सम्मानित किया गया, वहीं उर्मिला जैन भाया को दो नए क्लबों की स्थापना हेतु संगठन विस्तार में अहम योगदान के लिए स्पेशल अवार्ड प्रदान किया गया। नए क्लब खोलने मैं बिन्द मारू का भी योगदान रहा। क्लब को जिन सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए, उनमें प्रमुख रूप से सामूहिक विवाह आयोजन - निर्धन जोड़ों को गरिमा और आनंद के साथ विवाह का अवसर प्रदान करने के लिए। अनाथालय अथवा वृद्धाश्रम को गोद लेना - समाज के उपेक्षित वर्गों की सेवा के प्रति समर्पण हेतु , विद्यालयों में नैतिक शिक्षा और नागरिक मूल्यों का प्रचार - बच्चों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने हेतु, पर्यावरण संरक्षण- हरित और स्वस्थ भविष्य हेतु योगदान को मान्यता, साक्षरता मिशन, शिक्षा प्रसार में भागीदारी हेतु, "आउटस्टैंडिंग क्लब" के रूप में सम्मान - समर्पित और प्रभावशाली सामाजिक सेवाओं के लिए, ब्रांड इनरव्हील को सशक्त बनाना - संगठन की पहचान को और मजबूत करने में सक्रिय भूमिका के लिए। इन सभी उपलब्धियों के पीछे इनरव्हील क्लब बारां की सभी सक्रिय और समर्पित सदस्यों का विशेष योगदान रहा है। उनके सामूहिक प्रयासों, सेवाभाव और लगन से ही क्लब ने ये नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं और कुल 16 प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हुआ है।

जिला कलक्टर लोक बन्धु ने किया रलावता शिविर का निरीक्षण

-पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय सम्बल पखवाड़ा

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयान उपाध्याय सम्बल पखवाड़ा के रलावता में आयोजित शिविर का जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा निरीक्षण कर आमजन के कार्यों को प्राथमिकता से करने के लिए निर्देश प्रदान किए। उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण भी निरीक्षण के समय साथ रही।

जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि समस्त आयुष्मान कार्ड का वितरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री वय वन्दन योजना के लाभान्वितों के भी कार्ड जारी हो। इनका सत्यापन भी करवाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लम्बित आवेदनों को निस्तारित करें। शिविर दिवस को समस्त आवेदन सत्यापित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत क्षेत्र से पलायन कर चुके सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स के नाम हटवाने के लिए नियमानुसार कार्यवाही की जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने से कोई व्यक्ति शेष नहीं रहे। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सम्बन्ध में ईकेवाईसी, आधार कार्ड सीडिंग तथा गिव अप के सभी प्रकरणों को कैम्प के दौरान ही निस्तारित करने के लिए कार्य करें। समस्त योजनाओं में पात्र व्यक्तियों का संतृप्तिकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पात्र वंचित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 16 विभागों के 63 कार्यों का चिह्निकरण कर कार्य करवाए जा रहे है। इसके लिए प्रीकैम्प तथा फॉलोअप कैम्प का भी आयोजन करने से कार्य की गति बढ़ाई जा रही है।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में जोशो खरोश के साथ

-शहर में निकला छड़ियों का जुलूस

उदयपुर,(रॉयल पत्रिका)। इराक के कर्बला मैदान में शहीद हुए हजरत मोहम्मद साहब के नवासे और हजरत अली के छोटे फरजंद हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 जांनिसार की शहादत की याद में गुरुवार को छड़ियों का जुलूस जोशो खरोश के साथ निकाला गया। फैजे हुसैनी कमेटी (बड़ा ताजिया) के शाहनवाज खान ने बताया कि छड़ियों का जुलूस सुबह 9:30 बजे चमनपुरा स्थित जामा मस्जिद से शुरू हुआ जो चेतक सर्कल, अलीपुरा, रहमान कॉलोनी, देहलीगेट, धोली बावड़ी, काली बावड़ी, सूरजपोल, अमलकांटा, इस्लामपुरा, सिंधी सरकार की हवेली, नायकवाड़ी, खेरादीवाड़ा, अंजुमन चौक, कोठियों की गवाड़ी, कुंजर वाड़ी, भड़भुजा घाटी, मोची वाड़ा, बड़ा बाजार, घंटाघर, जगदीश चौक, नावघाट, पांडु वाड़ी, नागानगरी, कल्लेसात, महावत वाड़ी, काजीवाड़ा, दरखानवाड़ी,कारवाड़ी, सिलावट वाड़ी, हाथी पोल होते हुए चेतक सर्कल स्थित पलटन मस्जिद पर पहुंचकर संपन्न हुआ। इससे पूर्व जुलूस वाले मार्गों पर सबीलें सजाई गई जहां विभिन्न प्रकार के शीतल पेय, खीर, पुलाव, हलवा, दलीम सहित तबर्रुक वितरित किए गये। जुलूस में बच्चे और नौजवान युवा या हुसैन या हुसैन के नारे लगाते हुए चल रहे थे। खान ने बताया कि जुलूस में मुस्लिम मोहल्ले के ताजिया की 13 छड़ी एवं 5 आलम शामिल हुए।

बीएलओ एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बारां,(रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं बीएलओ सुपरवाइजरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 3 जुलाई से 17 जुलाई, 2025 के मध्य आयोजित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एवं अन्य आवश्यक निर्वाचन कार्यों की बारीक जानकारी देना है। इसी क्रम में गुरुवार को पंचायत समिति सभागार किशनगंज में 45 बीएलओ व पर्यवेक्षकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की निगरानी व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर से पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही, संबंधित क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) स्वयं प्रशिक्षण सत्रों में उपस्थित रहकर इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रानी में देवली पाबूजी और ढारिया में शिविर का आयोजन शिविर में हुये लोकहित के काम

-स्वामित्व कार्ड व आवासीय पट्टो का वितरण

पाली,(रॉयल पत्रिका)। शुक्रवार को रानी ब्लाक के गा्रम पंचायत राजीव गाँधी सेवा देवली पाबूजी में पंडित दीन दयाल उपाध्याय अन्तोदय सम्बल पखवाडा शिविर का आयोजन किया गया। अधिकारियों ने किया शिविर का निरीक्षण। शिविर प्रभारी विकास अधिकारी नारायण सिंह राजपुरोहित के निर्देशन में जनता की परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस बिरजू चौधरी , उपखण्ड अधिकारी भंवरलाल विश्नोई द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया।

शिविर में स्वामित्व कार्ड व आवासीय पट्टो का वितरण

शिविर में पंचायती राज की योजना स्वामित्व कार्ड वितरण व आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा भूमिनामान्तरण) व बंश्वारा के कार्य किये गये एवं चिकित्सीय जांग्य चिकित्सा विभाग द्वारा की गयी। इस अवसर पर अन्य विभागों द्वारा किया सरकार की विभिन्न योजनाओं सें जनता को लाभान्वित किया गया। शिविर में शिविर प्रभारी नारायण सिहं ,तहसीलदार मनोहर सिह, सरपंच नारायण लाल परमार पं.स. सदस्य इन्दरसिंह ,दलाराम चौधरी, जितेन्द्र सिंह राजपुरोहित, पटवारी जसवन्तसिंह, ग्राम विकास अधिकारी राकेश विश्नोई, ग्राम रोजगार सहायक हरीश परिहार व अन्य विभागों के कार्मिक व वार्डपंचगण व आमजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत ढारिया में शिविर आयोजन

इसी प्रकार ग्राम पंचायत ढारिया मे स्थानीय ग्राम पंचायत भवन मे पण्डित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में प्रभारी मदन सिंह राजपुरोहित नायब तहसीलदार के निर्देशन मे आमजन के अनेक कार्य किये गये साथ उनकी परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया। शिविर में प्रशिक्षु आईएएस बिरजू चौधरी एंव उपखण्ड अधिकारी भंवर लाल विश्नोई ने शिविर का निरीक्षण किया। इस शिविर मे पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व योजना के तहत पटटा एंव स्वामित्व कार्ड वितरण किया गया।राजस्व विभाग द्वारा म्युटेशन नामान्तरण बंटवारा एंव विभिन्न विभागो द्वारा विभिन्न योजनाओ से जनता को लाभान्वित किया गया। शिविर मे पंचायत समिति सदस्य सुमित्रा राजपुरोहित ,उप सरपंच जन्मजय सिंह राठौड ग्राम पंचायत ढारिया पटवारी रेश कुमार बोस, ग्राम विकास अधिकारी तेजपाल सिंह ,कनिष्ठ सहायक गोरधन लाल, कृषि पर्यवेक्षक रामअवतार, वार्ड पंच समस्त आंगनवाडी स्टाफ ग्राम वासी दलपत सिंह, अचलाराम चौधरी, पोमाराम चौधरी एंव ग्रामवासी उपस्थित रहें ।

पोमाराम को मिला पट्टा खिला चेहरा सरकार को दिया धन्यवाद

आज आयोजित शिविर में पोमाराम पुत्र खंगार राम सीरवी निवासी ढारिया पंचायत रानी का निवासी आये और उन्होंने बताया कि मुझे आज कार्यालय ग्राम पंचायत में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्तोदय संबल पखवाडा शिविर में स्वामित्व योजना अंतरगर्त मेरे आवासीय मकान का स्वामित्व कार्ड मय पट्टा जारी किया गया है। पोमाराम ने इसके लिये मुख्यमंत्री और सरकार को धन्यवाद दिया। मौके पर उपस्थित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी बिरजू चौधरी व उपखंड अधिकारी भंवरलाल बिश्नोई शिविर प्रभारी मदन सिंह राजपुरोहित ,नायब तहसीलदार जन्म जय सिंह, आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत लिसाड़िया में शिविर का किया निरीक्षण

-अंत्योदय शिविर में 15 वर्षों से बंद लिसाड़िया गांव का रास्ता खुलवाया

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत लिसाड़िया में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा शिविर ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत लेकर आया। शिविर में पहुंचकर जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने न सिर्फ जनसमस्याएं सुनीं, बल्कि वर्षों पुरानी समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर प्रशासनिक संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन, एसडीएम बनवारी लाल बैरवा एवं विकास अधिकारी श्वेता खोरवाल सहित अन्य मौजूद रहे। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार एवं शिविर प्रभारी संदीप कुमार वर्मा को अवगत कराया कि लिसाड़िया गांव की आबादी का मुख्य रास्ता पिछले 15 वर्षों से अतिक्रमण की चपेट में है, जिससे किसानों व आमजन को खेतों और जमीन तक पहुंचने में भारी परेशानी हो रही थी। जिला कलक्टर के निर्देश पर शिविर प्रभारी ने तुरंत राजस्व टीम के साथ मौके पर जांच करवाई, जिसमें अतिक्रमण की पुष्टि होने पर तत्काल रास्ता खुलवाया गया। ग्रामीणों के अनुसार यह रास्ता उनकी खेती और दैनिक आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। रास्ता खुलने पर ग्रामीणों के चेहरे पर संतोष और खुशी की झलक देखने को मिली। शिविर में जिला कलक्टर ने अन्य योजनाओं के तहत भी ग्रामीणों को लाभांवित किया। उन्होंने मौके पर सुनील गोचर और महेन्द्र गोचर को स्वामित्व योजना के तहत पट्टे वितरित किए। एक आपसी सहमति से बंटवारे की प्रक्रिया पूर्ण करवाई गई। एक टीबी पोषण किट का वितरण किया गया। 22 नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही शिविर में स्कूल के बच्चों को निशुल्क शैक्षणिक सामग्री वितरण की गई।

भाजपा राज में नगर परिषद द्वारा विकास कार्यो को लेकर सौतेला व्यवहार रफीक मंडेलिया

-कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में पदाधिकारीयों की बेठक

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया को चूरू नगरपरिषद के निवर्तमान पार्षदो ने मिलकर एक पत्र दिया जिसमें बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा में चूरू शहर के 60 वार्डो में सडको के लिए दि गई करीब 10 करोड कि स्वीकृति में कांग्रेस वार्डो के साथ सोतेला व्यवहार किया गया है। 60 वार्डो में करीब 40 वार्डो में कांग्रेस पार्षद होने के कारण इन वार्डो में एक भी सडक निर्माण की स्वीकृति नही देना यह भाजपा सरकार के जन प्रतिनिधियों की दोगली नितिया दर्शाती है। हम मांग करते है कि सबको सम्मान रूप से राशि दि जायें। साथ ही पार्षदों ने पत्र के माध्यम से अवगत करवाया कि सिवरेज योजना के प्रथम फैज में वंचित गलियों में भी लाईन डाली जायें। इस अवसर पर पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहता ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्माण, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, सोहनलाल मेघवाल, शिवकुमार शर्मा, विमल शर्मा, योगेश ढाका, अली मोहम्मद भाटी, संजय भाटी, हेमन्त सिहाग, आरिफ रिसालदार, सुभाष मिश्रा, अजीज दिलावरखानी, प्यारेलाल दानोदिया विनोद खटीक, कैलाश सरपंच, बजरंग बजाड, समीउल्लाह, चन्दनमल मेघवाल, तारिख नागौरी, तोफिक एनएसयुआई,वाहिद खान, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, उस्मान अंसारी, सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहें।

पानी पीओ तो याद करो प्यास इमाम की

यह नियाज़ है शहीदों के नाम की

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हर साल की तरह मोहर्रम पर चांद की सात तारीख मेहंदी की रात पर रस्म अदायगी कार्यक्रम,पठान चौक से मक्की मस्जिद, नई सड़क होते हुवे चमन बास मोहल्ला तेलियान तक, जगह जगह पर छबिलो कि स्टाल लगाई गई जिस पर, नारा गूंजत रहा, पानी पीओ तो याद करो प्यासे इमाम की यह नियाज़ है शहीदों के नाम की, प्यासे थे कर्बला में मुस्तफा के जानी, दरिया भी हो रहा था गैरत से पानी, यक़ीदत मनदो को शरबत और नयाज बांटी गई। इस दौरान अखाड़ा के करतब और ढोल मातमी धुनों से गूंज उठे। मोहर्रम पर चांद की एक तारीख़ से इमामे हसन और हुसैन की शहादत पर जगह जगह होने वाली मिलादो, जलसे - मजलिस, मस्जिद तेलियान, मस्जिद हाजन, मोहल्ला आथूना, मोहल्ला तेलियान सैय्यदना छबील पार्टी आदि पर होने वाले में उनकी शहादत पर हाफिज ,कारी, मौलाना,आलिम अपने बयान करते है। मेंहदी आयोजन पर क़ानून व्यवस्था के लिए ,कॉम काजियान सदर संजय भाटी ने लोकसभा सांसद राहुल कस्वा,चूरू जिला पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश यादव,, डी वाई एस पी,सुनील झाझडिया,शहर कोतवाल सुखराम चोटिया, ओर पुलिस जाप्ता का आभार व्यक्त किया।भाटी ने कहा मेहंदी की रात पर पुलिस गश्त सक्रिय रही, जिससे मन चले युवाओं में भेह रहा और महिलाओं ने बेख़ौफ़ होकर बड़ी तादाद में मेहंदी की रस्म अदा की। भरतीया रोड़ पठान चौक पर पुलिस जाप्ता प्रभारी दुधवाखारा एस एच ओ हसंराज का आयोजन कमेटी ने शॉल ओढ़ाकर ओर माला पहनाकर स्वागत किया।पार्षद इस्माइल भाटी, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब जिलाध्यक्ष जमील चौहान, पीर जिलानी,इरफ़ान भाटी,आजम अली, हारून पानवाला, तालिब, इरशाद, सोयल, शौकत जोईया, इदरीश चौहान, जमीलभींचर, अकरम टेलर, जिम्मी, उमर अगवान, राजू,आदि ने किया ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

-बीएलओ चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अतःउनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए। महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णतः मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएँ, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाये और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें। जिससे मतदाता सूची निर्माण में और अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुडवाने, हटवाने और संशोधन से संबंधित जानकारी सरलता एवं सुगमता से आमजन तक उपलब्ध हो, इसके लिए विभिन्न प्रचार सामग्रियों एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। जिससे हर वयस्क नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कर सके।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नए जिलों में निर्वाचन प्रक्रिया को सुगमता से सम्पादित करने के लिए कुशल तंत्र विकसित किया जाये। बैठक में निर्वाचन विभाग के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी जिला निर्वाचन अधिकारी विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

मोहर्रम की 7 तारीख को मेहंदी रात के रूप में मनाया जाता है जिसमें कई रस्में होती हैं

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहर्रम की 7 तारीख को मेहंदी रात के रूप में मनाया जाता है, जिसमें कई रस्में होती हैं। इस दिन मेहंदी का जुलूस निकाला जाता है, जिसमें ओरते मेहंदी लगाती हैं और ताजियों पर मेहंदी चढ़ाती हैं। ओर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। मेहंदी लगानाः लोग अपने हाथों और पैरों में मेहंदी लगाते हैं, जो शोक और दुख का प्रतीक है। ओर लोग तबर्रुक चढ़ाते हैं। तबर्रुक (प्रसाद) चढ़ाते हैं, जो हजरत इमाम हुसैन की याद में चढ़ाया जाता है। सहरें और फूल चढ़ानाः लोग सहरें और फूल चढ़ाते हैं, जो हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करने का एक तरीका है। मातम और शोक मजलिस (सभाएं):अधिकतर लोग मजलिस करते हैं और शोक व्यक्त करते हैं। जहां हजरत इमाम हुसैन की शहादत की कहानी सुनाई जाती है। इन रस्मों के माध्यम से लोग हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं और अपने दुख और शोक को व्यक्त करते हैं। मेहंदी रात को शहर में कई जगहों पर जुलूस निकाल कर मेहंदी की रस्म अदा की जाती है। जैसे दरगाह नूर नबी , नीलगरो की मस्जिद के आगे, मोहल्ला तेलियान, पठान चौक ,ईदगाह मोहल्ला,अगुना बास, शेखों का मोहल्ला, आदि जगहों पर चांद की 7 तारीख को मेहंदी की रस्म अदा की जाती है। जिसे मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद अली खान, जाकिर हुसैन झारिया वाला,मो. हारुन गोरी, संजय भाटी, याकील पीर जी, मोहम्मद रफीक चौहान, सलीम गोरी, डॉ. जमील चौहान, पार्षद ईस्माइल भाटी, सोहेल अहमद चौहान, आजम भाटी, आसिफ मंडावरीया,राजु डायर, आदि मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन जाब्ता के साथ मौजूद रहा। और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। मेहंदी की रात को श्रद्धालुओ ने अपनी आस्था के साथ रश्मे अदा की। शोक व्यक्त किया।

अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा शिविर ग्रामीणों की समस्याओं का होगा समाधान

-5 व 7 जुलाई विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे

पाली,(रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा के अंतर्गत जिलेभर में 5 व 7 जुलाई को विभिन्न उपखंड क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में आमजन की समस्याओं के निराकरण व उनके कार्य करने के लिये शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत शनिवार, 5 जुलाई को बाली उपखंड क्षेत्र के मुण्डारा, लाटाडा, शिवतलाव, देसूरी के कोट सोलंकियान, डायलाना कला, मारवाड़ जंक्शन के सिरियारी, सारण व बोरीमादा, रानी के सिवास व केरली, रोहट के सावंलता कलां, सोजत के सरदारसमंद व धुरासनी एवं सुमेरपुर उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत जवाई बांध व कोलीवाड़ा एवं 7 जुलाई को बाली के चामुण्डेरी राणा, भन्दर, कोठार, देसूरी के सिन्दरली व मौरखा, मारवाड़ जंक्शन के सवराड़, सेहवाज, धुंधला, पाली के सोनाईमांझी, कूरना, रानी के किशनपुरा, सांवलता, रोहट के चेण्डा, सोजत के चौपड़ा व राजोला कलां एव सुमेरपुर उपखण्ड क्षेत्र की गलथनी व कोरटा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इंग्लैंड ने 3 विकेट गंवाए, भारत 510 रन आगे, शुभमन गिल का दोहरा शतक

- जडेजा की फिफ्टी, बशीर को 3 विकेट

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट मैच में भारत ने अपनी पकड़ बेहद मज़बूत कर ली है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 510 रन की विशाल बढ़त हासिल कर ली है। शुभमन गिल ने शानदार दोहरा शतक लगाकर अपने करियर का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, वहीं रवींद्र जडेजा ने अहम अर्धशतक लगाकर पारी को मजबूती दी। इंग्लैंड की टीम जब बैटिंग के लिए उतरी तो उसके 3 विकेट सस्ते में गिर गए। भारत की स्थिति इतनी मज़बूत है कि मैच के तीसरे दिन ही रिजल्ट लगभग तय माना जा रहा है। बर्मिंघम टेस्ट का दूसरा दिन भी पूरी तरह से भारत के नाम रहा। कप्तान शुभमन गिल के दोहरे शतक की मदद से टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बना दिए। फिर दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड के 3 विकेट भी गिरा दिए। होम टीम अब भी पहली पारी में 510 रन से पीछे हैं। जो रूट और हैरी ब्रूक आज इंग्लैंड की पारी आगे बढ़ाएंगे। खेल दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। भारत के लिए आकाश दीप 2 और मोहम्मद सिराज 1 विकेट ले चुके हैं।

दूसरे दिन शुभमन-जडेजा की डबल सेंचुरी पार्टनरशिप

भारत के लिए दूसरे दिन शुभमन गिल ने दोहरा शतक लगाया। उन्होंने 269 रन बनाए। गिल ने इस पारी में रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 203 और वॉशिंगटन सुंदर के साथ 7वें विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप भी की। टीम ने 587 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड के भी 3 विकेट गिर गए।

पहले दिन शुभमन का शतक

बर्मिंघम में बुधवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत से यशस्वी जायसवाल ने 87 रन बनाए। उनके विकेट के बाद कप्तान शुभमन गिल ने शतक लगा दिया। टीम ने

211 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शुभमन और जडेजा ने 99 रन की पार्टनरशिप कर स्कोर 310 तक पहुंचा दिया।

पहले दिन काली पट्टी बांधकर उतरे प्लेयर्स

बुधवार को मुकाबले के पहले दिन सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। नीतीश कुमार रेड्डी गेंद छोड़ने के चलते बोल्ड हो गए। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की।

प्लेइंग-11 इंग्लैंड:

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

बर्मिंघम टेस्ट का दूसरा दिन भी भारतीय टीम के नाम रहा। गुरुवार को भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 587 रन बनाए। इतना ही नहीं, दिन का खेल समाप्त होते-होते इंग्लैंड के 3 बैटर्स को पवेलियन भेज दिया। स्टंप्स तक इंग्लैंड का स्कोर 77/3 रहा। फिलहाल, टीम 510 रन से पिछड़ रही है। जो रूट 18 और हैरी ब्रूक 30 रन पर नाबाद लौटे। बेन डकेट और ओली पोप शून्य पर आउट हुए। जैक क्रॉली 19 रन बनाकर आउट हुए। एजबेस्टन स्टेडियम में चल रहे मैच में भारत ने 310/5 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। कप्तान शुभमन गिल 269 रन की रिकॉर्ड पारी खेली। वे टेस्ट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय कप्तान बने। उन्होंने विराट कोहली (नाबाद 254 रन) को पीछे छोड़ा। यशस्वी जायसवाल 87 और रवींद्र जडेजा 89 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर ने 42 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड से शोएब बशीर ने 3 विकेट चटकाए। क्रिस वोक्स और जोश टंग को 2-2 विकेट मिले। ब्रायडन कार्स, जो रूट और कप्तान बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिले।

गिल की पारी से बने 2 रिकॉर्ड...

गिल सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय कप्तान बने हैं। गिल ने विराट कोहली के 254 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। कोहली ने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में नाबाद 254 रन की पारी खेली थी। गिल इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने सुनील गावस्कर के 221 रन का रिकॉर्ड तोड़ा है। जो गावस्कर ने 1979 में इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में बनाया था। दिन का तीसरा सेशन भी भारत के नाम रहा। दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय गेंदबाजों ने 3 इंग्लिश बैटर्स को पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड का स्कोर 77/3 रहा। 30 ओवर के सेशन में 100 रन बने और 6 विकेट गिरे। इनमें से 3 विकेट इंग्लैंड ने 77 रन बनाने में गंवा दिए। जबकि भारत ने आखिरी 3 विकेट 23 रन बनाने में गंवाए।

इंग्लैंड के सामने मुश्किल चुनौती

अब इंग्लैंड के सामने यह चुनौती है कि वह भारत की बढ़त को पार कर सके और मैच में वापसी की उम्मीद कायम रख सके। इंग्लैंड की टीम पर हार का खतरा मंडरा रहा है। अगर इंग्लैंड की टीम जल्दी आउट हो गई तो भारत यह मैच पारी और रनों से जीत सकता है।

पिच की स्थिति

पिच अब धीरे-धीरे स्पिनर्स की मददगार बन रही है। गेंद टर्न और बाउंस कर रही है, जिससे अश्विन और जडेजा जैसी भारतीय स्पिन जोड़ी इंग्लैंड के लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकती है। तीसरे और चौथे दिन पिच पर बल्लेबाजी करना और मुश्किल हो जाएगा, इसलिए इंग्लैंड के लिए टिककर खेलना बेहद जरूरी होगा।

मैच में आगे की स्थिति

भारत इस मैच में बेहद मज़बूत स्थिति में है। अगर भारतीय गेंदबाज इसी लय में खेलते रहे तो मैच का नतीजा चौथे दिन तक आ सकता है। इंग्लैंड को मैच बचाने के लिए बहुत लंबी पारी खेलनी होगी और पूरे दो दिन निकालने होंगे, जो इस पिच पर आसान नहीं होगा।

शुभमन गिल ने तोड़े गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड, इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर

-भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन

भारतीय क्रिकेट के युवा सितारे शुभमन गिल ने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं, जो भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व की बात है। इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर से लेकर भारतीय कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा रन बनाने तक, गिल ने कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं। आइए विस्तार से जानते हैं उनके टॉप रिकॉर्ड्स और इस ऐतिहासिक पारी की पूरी कहानी। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बना दिए। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

IND vs ENG बर्मिंघम टेस्ट के रिकॉर्ड्स...

1. 25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक

कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

2. शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया

शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर

का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं। एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय। शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

3. भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर

शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी। एशिया के बाहर बेस्ट स्कोर बनाने वाले एशियन कैप्टन शुभमन एशिया के बाहर सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले एशियन प्लेयर भी बने। उन्होंने श्रीलंका के मारवान अटापट् का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में जिम्बाब्वे में 249 रन बनाए थे। विराट कोहली 2016 में वेस्टइंडीज के मैदान पर 200 रन बना चुके हैं।

4. दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने

शुभमन ने अपने टेस्ट करियर का पहला ही दोहरा शतक लगाया, लेकिन यह उन्होंने अपनी कप्तानी में किया। वे टेस्ट में डबल सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने। विराट कोहली, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और मंसूर अली खां पटौदी भी बतौर कप्तान दोहरा शतक लगा चुके हैं।

5. इंग्लैंड में भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर बनाया

शुभमन ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के रूप में भी बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के मैदान पर 179 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड में विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर। शुभमन के 269 रन इंग्लैंड में किसी विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। वे साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ से आगे निकले, जिन्होंने लॉर्ड्स स्टेडियम में 259 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्प्सन 311 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

6. भारत के बाहर 250+ बनाने वाले तीसरे भारतीय

शुभमन गिल भारत के बाहर 250 से ज्यादा का टेस्ट स्कोर बनाने वाले तीसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके। दोनों ने पाकिस्तान ने 250 प्लस का स्कोर बनाया था।

7. शुभमन ने अपना बेस्ट फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया

शुभमन गिल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अपना बेस्ट स्कोर बना लिया। इससे पहले 2018 में उन्होंने मोहाली के मैदान पर तमिलनाडु के खिलाफ 268 रन बनाए थे। तब वे अपनी घरेलू टीम पंजाब के लिए खेल रहे थे।

8. SENA देशों में जडेजा का 8वीं 50+ स्कोर

साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (SENA) में रवींद्र जडेजा ने 8वीं बार 50 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। SENA देशों में वे एमएस धोनी के बाद सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले भारतीय बन गए। धोनी के नाम 10 और जडेजा के नाम 8 बार 50+ स्कोर हैं।

9. इंग्लैंड में 18 साल बाद 550+ रन बनाए

भारत ने इंग्लैंड में 18 साल बाद 550 से ज्यादा का टीम स्कोर बनाया। टीम ने 2007 में आखिरी बार द ओवल के मैदान पर 664 रन बनाकर मुकाबला ड्रॉ कराया था। 587 रन इंग्लैंड में भारत का चौथा ही बेस्ट टेस्ट स्कोर है। जडेजा की इंग्लैंड में दूसरी बार डबल सेंचुरी पार्टनरशिप। रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ छठे विकेट के लिए 203 रन की पार्टनरशिप की। इंग्लैंड में छठे विकेट के लिए भारत से बेस्ट साझेदारी में भी जडेजा शामिल हैं। उन्होंने 2022 में ऋषभ पंत के साथ 222 रन जोड़े थे।

10. 5 विकेट गिरने के बाद भारत का बेस्ट स्कोर

टीम इंडिया ने अपना 5वां विकेट महज 211 रन के स्कोर पर गंवा दिया था। यहां से टीम ने 376 रन और जोड़ दिए। 5 विकेट गिरने के बाद यह टीम इंडिया का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में टीम ने 5 विकेट गिरने के बाद 370 रन और बनाए थे।

सलमान खान ने 'हुनर का पहलवान' के बारे में एक रहस्यमयी पोस्ट डाली

-प्रशंसकों को लगता है कि वापसी हो रही है

सलमान खान ने शुक्रवार देर रात इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने एक बड़ी वापसी का संकेत दिया। रात में पोस्ट करने की अपनी आदत के लिए मशहूर, अभिनेता ने अपनी दुबली-पतली, फिट दिखने वाली एक नई तस्वीर शेयर की और इसके साथ एक रहस्यमयी कैप्शन भी लिखा, जिसने प्रशंसकों को चर्चा में ला दिया। फोटो में सलमान को नीली टी-शर्ट और जींस पहने सहज स्वैग दिखाते हुए देखा जा सकता है। लेकिन यह वह कैप्शन था जिसने उत्सुकता बढ़ा दी। उन्होंने लिखा, "मेहनत करो सही दिशा में। उन्हीं पर वो मेहरबान, और बनाएंगे उन्हीं को उनके हुनर का पहलवान।" अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, "अंग्रेजी में...आप अनुवाद करें। मोटे तौर पर अनुवादित, यह उद्धरण सही दिशा में कड़ी मेहनत करने के महत्व पर जोर देता है। यह सुझाव देता है कि जो लोग मेहनती और कुशल हैं, उन्हें आशीर्वाद मिलेगा और अंततः वे अपने शिल्प के चैंपियन बनेंगे। पोस्ट के दार्शनिक लहजे ने प्रशंसकों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है कि क्या अभिनेता फॉर्म में वापसी के लिए कमर कस रहा है। कमेंट सेक्शन में, प्रशंसकों ने पोस्ट पर "वापसी लोड हो रही है," "टाइगर वापस आ गया है," और "घोषणा का इंतजार नहीं कर सकता!" जैसी प्रतिक्रियाओं से भर दिया। सलमान खान की हालिया फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया है, लेकिन यह पोस्ट नई ऊर्जा और महत्वाकांक्षा का संकेत देती है। इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि सलमान के पास आगे बहुत कुछ है। उनकी कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्मों- बजरंगी भाईजान , किक और अंदाज अपना अपना- के सीक्वल भी विभिन्न चरणों में हैं। संजय दत्त के साथ गंगा राम नामक एक एक्शन फिल्म में फिर से काम करने की भी अफवाहें हैं, और फिल्म निर्माता सोराज बड़जात्या के साथ एक दिल को छू लेने वाली पारिवारिक ड्रामा के लिए एक और टीम-अप। कहा जा रहा है कि एक देशभक्ति परियोजना

भी क्षितिज पर है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी घोषित नहीं किया गया है, लेकिन सलमान के रहस्यमय कैप्शन और उनके ध्यान देने योग्य शारीरिक परिवर्तन से पता चलता है कि पर्दे के पीछे कुछ बड़ा होने वाला है। और उनके प्रशंसकों के लिए, यह जल्दी नहीं आ सकता। सलमान खान ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की, जिसमें सिर्फ तीन शब्द लिखे थे – "हुनर का पहलवान।" इसके साथ ही उन्होंने अपनी एक ब्लर (धुंधली) तस्वीर लगाई जिसमें वह काले चश्मे और ब्लैक जैकेट में नज़र आ रहे थे। इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस के बीच हलचल मच गई और सोशल मीडिया पर कयासों का बाजार गर्म हो गया कि भाई जल्द ही किसी नए प्रोजेक्ट में वापसी करने वाले हैं।

क्या है 'हुनर का पहलवान'?

सलमान खान की पोस्ट में 'हुनर का पहलवान' शब्द ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कुछ फैंस का मानना है कि यह उनके अपकमिंग रियलिटी शो से जुड़ा है, जबकि कुछ लोग इसे उनकी किसी नई फिल्म या ओटीटी प्रोजेक्ट से जोड़ कर देख रहे हैं। सलमान खान के करीबियों का कहना है कि वह एक ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें भारत के छोटे शहरों और गांवों में छुपे टैलेंट को मंच दिया जाएगा। वहीं कुछ फैंस इसे बिग बॉस 19 के नए कांसेप्ट से भी जोड़ रहे हैं।

फैंस ने दिए मजेदार रिएक्शन

सलमान खान के इस पोस्ट पर उनके फैंस ने दिलचस्प कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, "भाई आ रहे हैं, अब एंटरटेनमेंट होगा!" तो वहीं दूसरे यूजर ने कहा, "हुनर का पहलवान यानी टैलेंट शो, भाई का नया अंदाज देखने को मिलेगा!" कुछ लोगों ने इसे सलमान खान की अगली फिल्म 'शेरखान' की अनाउंसमेंट मान लिया, जो लंबे समय से अटकी हुई है। इसके अलावा, कई यूजर्स ने मजाक में लिखा, "भाई बिग बॉस की नई थीम लाने वाले हैं!"

सलमान खान का फैंस से गहरा रिश्ता

सलमान खान का फैंस से रिश्ता बेहद खास है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में हिंट देकर फैंस को उत्साहित रखते हैं। चाहे ईद पर फिल्म रिलीज की अनाउंसमेंट हो या अपने फार्महाउस की तस्वीरें शेयर करना, सलमान अपने चाहने वालों को हमेशा कनेक्टेड रखते हैं। इस बार भी उनकी पोस्ट ने फैंस में एक नई उम्मीद जगा दी है कि सलमान एक बार फिर कुछ बड़ा लेकर आ रहे हैं।

क्यों खास है यह पोस्ट?

सलमान खान की 'हुनर का पहलवान' वाली पोस्ट खास इसलिए मानी जा रही है क्योंकि इसमें उनके स्टाइल और एटीट्यूड की झलक साफ दिख रही है। ब्लर फोटो में भी उनका स्वैग नजर आ रहा है, जिससे फैंस को फिर से वही 'भाई' वाला अंदाज देखने की उम्मीद है। सलमान के करीबी सूत्रों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में सलमान इस पोस्ट का पूरा मतलब खुद बता सकते हैं और अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान कर सकते हैं।

रजनीकांत स्टारर कुली में आमिर खान निभाएंगे DAHAA का किरदार

-देखें शानदार फर्स्ट लुक पोस्टर

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की अगली फिल्म 'कुली' लगातार चर्चा में बनी हुई है। अब इस फिल्म से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के इस फिल्म से जुड़ने की पुष्टि हुई है। आमिर खान इस फिल्म में 'दहा' नाम का किरदार निभाने जा रहे हैं और फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला लुक पोस्टर भी रिलीज कर दिया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

फर्स्ट लुक में दिखी आमिर की इंटेंसिटी

फिल्म 'कुली' के फर्स्ट लुक पोस्टर में आमिर खान का बेहद इंटेंस लुक नजर आ रहा है। पोस्टर में आमिर खान लंबी दाढ़ी, काली आंखों में गुस्सा और चेहरे पर गंभीरता लिए दिख रहे हैं। उनके हाथ में लोहे की मोटी जंजीर है और उनके पीछे आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में लिखा है, "DAHAA is Coming", जिससे उनके किरदार की ताकत और रहस्यमय अंदाज का अंदाजा लगाया जा सकता है। आमिर का यह लुक उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से काफी अलग नजर आ रहा है। इस पोस्टर को खुद आमिर खान ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, "आ रहा है दहा, तैयार रहिए।" प्रोडक्शन बैनर सन पिक्चर्स ने गुरुवार को तमिल सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म कुली से बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान का पहला पोस्टर जारी किया , जो 14 अगस्त को रिलीज होगी। पोस्टर में आमिर को पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें वह पाइप पीते हुए और अपनी मजबूत काया दिखाते हुए नज़र आ रहे हैं। 60 वर्षीय अभिनेता आगामी फिल्म में दहा की भूमिका निभाएंगे। निर्माताओं ने एक्स पर पोस्टर के साथ लिखा, "कुली की दुनिया से दहा के रूप में आमिर खान को पेश कर रहे हैं। कुली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है।" फिल्म में नागार्जुन, पूजा हेगड़े और मलयालम अभिनेता सौबिन

शाहिर सहित कई स्टार कलाकार शामिल हैं। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म में कन्नड़ अभिनेता उपेन्द्र, श्रुति हासन और सत्यराज शामिल हैं। कुली में श्रुति हासन प्रीति का किरदार निभा रही हैं , जबकि सत्यराज राजशेखर का किरदार निभा रहे हैं। रजनीकांत ने इस साल की शुरुआत में कुली की शूटिंग पूरी की थी।

कुली के बारे में

कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जिन्होंने पहले रजनीकांत की जेलर के लिए संगीत तैयार किया था । कुली लोकेश कनगराज की सातवीं निर्देशित फिल्म है। 2019 में, उन्होंने कैथी के साथ लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स (LCU) की स्थापना की, जिसके बाद उन्होंने विक्रम (2022) और लियो (2023) बनाई । यह देखना बाकी है कि कुली भी LCU का हिस्सा बनती है या नहीं। कुली बॉक्स ऑफिस पर ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की एक्शन फिल्म वॉर 2 से भिड़ने वाली है । आमिर की हालिया रिलीज सितारे जमीन पर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की दूसरी ओर, आमिर खान की हालिया बड़ी फिल्म ' सितारे ज़मीन पर' ने 20 जून को रिलीज़ होने के बाद से अब तक भारत में 134.42 करोड़ रुपये की कमाई की है, यह जानकारी इंडस्ट्री डेटा-ट्रैकिंग प्लेटफ़ॉर्म सैकनिल्क ने दी है। आरएस प्रसन्ना निर्देशित इस फिल्म में जेनेलिया देशमुख, डॉली अहलूवालिया, गुरपाल सिंह, बृजेंद्र काला और अंकिता सहगल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रजनीकांत के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे आमिर

आमिर खान और रजनीकांत दोनों अपने समय के सुपरस्टार रहे हैं, लेकिन इन दोनों दिग्गजों ने आज तक किसी भी फिल्म में साथ काम नहीं किया है। 'कुली' पहली ऐसी फिल्म होगी जिसमें दोनों एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। जहां रजनीकांत फिल्म में मुख्य नायक की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं आमिर खान विलेन 'दहा' के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 'दहा' का किरदार कहानी में अहम ट्विस्ट लेकर आता है। यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन नहीं होगा, बल्कि इसमें ग्रे शेड्स और इमोशनल लेयर्स भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों को आमिर खान के अभिनय की गहराई देखने को मिलेगी।

फिल्म की कहानी और किरदार

'कुली' एक ऐसे कुली की कहानी है, जो मजदूरों के हक और न्याय की लड़ाई लड़ता है। रजनीकांत का किरदार समाज के दबे-कुचले लोगों के लिए आवाज उठाता है, वहीं 'दहा' एक क्रूर और शक्तिशाली कारोबारी है, जो अपने फायदे के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। फिल्म में जहां रजनीकांत और आमिर खान के बीच टकराव होगा, वहीं कई हाई ऑक्टेन एक्शन सीन भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में नयनतारा भी मुख्य भूमिका में होंगी, जो रजनीकांत के किरदार का समर्थन करती दिखाई देंगी।

फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक जारी,जंगल में पेड़ पर चढ़कर धनुष चलाते दिखे रणबीर कपूर

-विराट रूप में नजर आए यश

फिल्म 'रामायण' का बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक आखिरकार सामने आ गया है, जिसने फैंस के बीच उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। इस पौराणिक फिल्म में भगवान श्रीराम की भूमिका रणबीर कपूर निभा रहे हैं, जबकि रावण के रूप में साउथ के सुपरस्टार यश नजर आएंगे। जारी किए गए फर्स्ट लुक में रणबीर कपूर को जंगल में पेड़ पर चढ़कर धनुष साधते हुए दिखाया गया है। वहीं यश का रावण अवतार बेहद विराट और खौफनाक दिख रहा है, जिससे साफ है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा में पौराणिक कथाओं के प्रस्तुतिकरण में एक नया मील का पत्थर साबित हो सकती है।रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। 3 मिनट 4 सेकंड के इस क्लिप में दिखाए गए VFX ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर धनुष-बाण चलाते नजर आ रहे हैं, जबकि रावण के रूप में यश भी उनके सामने जबरदस्त टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं।

कैसा है रामायण का फर्स्ट लुक?

वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ की गई है। फिल्म रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में खूब जच रहे हैं। उनका लुक और अंदाज देखकर लगता है कि उन्होंने इस किरदार के लिए काफी मेहनत की है। इतना ही नहीं उन्होंने धनुष-बाण चलाना भी सीखा, ताकि उनकी एक्टिंग और असली लगे। वीडियो में राम के साथ-साथ रावण की पहली झलक भी दिखाई गई है, जिसे साउथ के सुपरस्टार यश ने निभाया है। एक सीन में रणबीर और यश आमने-सामने दिखाई देते हैं, जो राम और रावण के बीच होने वाली बड़ी टक्कर को दर्शता है।

कैसा है वीडियो का बैकग्राउंड म्यूजिक?

हालांकि वीडियो में किसी भी किरदार का डायलॉग सुनने को नहीं मिलता, लेकिन इसका बैकग्राउंड म्यूजिक काफी दमदार है, जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में किरदारों के डायलॉग, हावभाव और बॉडी लैंग्वेज पर गहराई से काम किया गया है।

फिल्म रामायण से जुड़ी कुछ खास बातें

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रामायण को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और 8 बार ऑस्कर जीत चुके VFX स्टूडियो DNEG प्रोड्यूस कर रहे हैं। साथ ही यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस भी को-प्रोड्यूसर है। इस फिल्म को खासतौर पर IMAX जैसे बड़े फॉर्मेट के लिए शूट किया जा रहा है। ऑस्कर जीत चुके दो मशहूर संगीतकार हंस जिमर और ए.आर. रहमान इस फिल्म के लिए पहली बार साथ में संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के महायुद्ध वाले सीन को हॉलीवुड के टॉप स्टंट डायरेक्टर्स टेरी नोटरी (अवेंजर्स, प्लेनेट ऑफ द एप्स) और गाय नॉरिस (मैड मैक्स: फ्यूरी रोड, फ्यूरियसा) कोरियोग्राफ कर रहे हैं। नितेश तिवारी का कहना है, 'रामायण वो कहानी है जिसके साथ हम सब बड़े हुए हैं। ये हमारी संस्कृति की आत्मा को अपने अंदर समेटे हुए है। हमारा मकसद यही था कि इस आत्मा को सम्मान दें और इसे उस सिनेमैटिक भव्यता के साथ पेश करें जिसकी ये सच्ची हकदार है। एक फिल्ममेकर के तौर पर ये मेरे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन उतनी ही दिल से जुड़ी हुई इज्जत की बात भी है कि मुझे इसे पर्दे पर उतारने का मौका मिला। हम सिर्फ एक फिल्म नहीं बना रहे बल्कि हम एक विजन दे रहे हैं, जो श्रद्धा में डूबा हुआ है, गुणवत्ता से गढ़ा है और हर सीमा से पार जाने की ताकत रखता है।' नमित मल्होत्रा ने कहा, 'ये सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि दुनिया भर के हर भारतीय के लिए एक

सेंसेक्स 30 अंक ऊपर, निफ्टी 25,400 पर; रियल्टी और FMCG शेयर्स चढ़े, मेटल और ऑटो में गिरावट

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार 4 जुलाई को सेंसेक्स 30 अंक चढ़कर 83,250 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में करीब 10 अंक की तेजी है, 25,400 के स्तर पर है। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी है। बजाज फाइनेंस, HUL और BEL चढ़े हैं। ट्रेंट, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील में गिरावट है। निफ्टी के 22 शेयरों में तेजी, 27 में गिरावट है। जबकि एक में कोई बदलाव नहीं है। रियल्टी और FMCG में तेजी है। मेटल और ऑटो नीचे हैं।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.11% ऊपर 39,828 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 1.55% नीचे 3,068 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.72% गिरकर 23,897 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.41% ऊपर 3,475 पर कारोबार कर रहा है। 3 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.77% नीचे 44,829 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 1.02% चढ़कर 20,601 पर और S&P 500 0.83% ऊपर 6,279 पर बंद हुए।

3 जुलाई को घरेलू निवेशकों ने ₹1,333 करोड़ के शेयर खरीदे

3 जुलाई को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 1,481.19 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 1,333.06 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 7,488.98 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹72,673.91 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

कल 400 अंक चढ़कर 170 अंक गिरा था बाजार

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 3 जुलाई को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,239 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 48 अंक की गिरावट रही, ये 25,405 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 गिरकर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स में गिरावट रही। मारुति, इंफोसिस और NTPC में खरीदारी रही। निफ्टी के 50 में से 32 शेयरों में गिरावट और 17 में तेजी रही। जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। NSE के मेटल, रियल्टी और सरकारी बैंकिंग शेयरों में 1% तक गिरावट रही। मीडिया, FMCG, ऑटो और फार्मा शेयरों में उछाल रही।

मुकेश अंबानी 15 ब्रांड्स को मिलाकर नई कंपनी बनाएंगे

न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड ₹8.5 लाख करोड़ से ज्यादा वैल्युएशन पर IPO लाएगी

मुकेश अंबानी ने अपनी लीडरशिप वाले कॉरपोरेट ग्रुप रिलायंस इंडस्ट्रीज में रीस्ट्रक्चरिंग की एक प्रोसेस शुरू की है। इसमें कैंपा कोला जैसे 15 से ज्यादा FMCG ब्रांड्स को मिलाकर एक नई कंपनी बनाई जा रही है, जो अभी रिलायंस रिटेल वेंचर्स का हिस्सा हैं।

इसका मकसद इन प्रोडक्ट्स पर विशेष ध्यान देना और ऐसे निवेशकों को आकर्षित करना है, जो केवल FMCG सेक्टर में दिलचस्पी रखते हैं। अंबानी की यह स्ट्रैटेजी ग्रुप को तेज ग्रोथ के नए ट्रैक पर लाने में मदद करेगी।

नई कंपनी- न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड

कंपनी अपनी तीनों रिटेल यूनिट के सभी ब्रांड्स को मिलाकर नई कंपनी न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड बना सकती है। यह सीधे रिलायंस इंडस्ट्रीज के तहत काम करेगी, ठीक उसी तरह जैसे जियो करती है।

8.5 लाख करोड़ से ज्यादा वैल्युएशन पर आ सकता है IPO

रिलायंस के लेटेस्ट डेटा के हिसाब से रिलायंस रिटेल वेंचर्स की वैल्यू 8.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। अगर इसका IPO आता है, तो यह शेयर बाजार के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू में से एक हो सकता है।

आक्रामक रणनीति: बड़े स्थापित ब्रांड्स से 40% तक कम कीमत

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ग्रुप की मैन्युफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग बिजनेस संभालती है। यह अपने प्रोडक्ट्स कोका-कोला, मोंडेलेज और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे बड़े ब्रांड्स की तुलना में 20-40% कम दाम पर बेचती है। रिटेलर्स को ज्यादा मार्जिन भी देती है।

कंपनियों की अलग से लिस्टिंग की जरूरत क्यों?

रिलायंस इंडस्ट्रीज में डीमर्जर की योजना को 25 जून को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने मंजूरी दे दी है। NCLT ने कहा है कि कंज्यूमर ब्रांड स्थापित करने में काफी पूंजी लगती है। यदि यह बिजनेस रिटेल यूनिट से अलग होता है तो लिस्टिंग से यह जरूरत पूरी हो सकती है।

टाटा, बिड़ला, रेमंड, वेदांता और ITC की राह पर रिलायंस

रिलायंस अकेली ऐसी भारतीय कंपनी नहीं है, जो बिजनेसेज को अगल-अलग कंपनियों के तौर पर लिस्ट करके उनकी असल वैल्यू सामने ला रही है। टाटा मोटर्स, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, क्रेस कॉर्प, सीमेंस, रेमंड, वेदांता और ITC ने भी ऐसा ही किया है। मसलन, बीते महीने सीमेंस से अलग हुई सीमेंस एनर्जी इंडिया की वैल्यू 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा थी। लिस्टिंग के बाद, दोनों कंपनियों का कुल वैल्युएशन 2.14 लाख करोड़ तक पहुंच गया। अलग होने से पहले यह 1 लाख करोड़ ही था।

ये नया ट्रेंड: आदित्य बिड़ला जैसे बड़े कॉरपोरेट अपने बिजनेस की रिस्ट्रक्चरिंग करके वैल्यू बढ़ाने में जुटे

बीते महीने क्रेस कॉर्प, सीमेंस और आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल (एबीएफआरएल) जैसी बड़ी कंपनियों की यूनिट्स ने अलग कंपनी के तौर पर शेयर बाजार में कदम रखा है।

रेमंड की रियल एस्टेट यूनिट रेमंड रियल्टी की लिस्टिंग 1 जुलाई को हो गई। टाटा मोटर्स का कार बिजनेस, जिसमें जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) शामिल है, इस साल के अंत तक अलग से बाजार में लिस्ट हो सकती है। यह बिजनेस बस-ट्रक से अलग हो जाएगा।

वेदांता, तीन यूनिट्स की अलग-अलग लिस्टिंग की योजना बना रही है। इसे मंजूरी का इंतजार है। आईटीसी का होटल बिजनेस इस साल की शुरुआत में ही स्वतंत्र कंपनी के तौर पर लिस्ट हो गई थी।

फरारी की सबसे सस्ती स्पोर्ट्स कार अमाल्फी लॉन्च:सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0 से 100 की स्पीड पकड़ सकती है, कीमत ₹2.4 करोड़

फरारी ने ग्लोबल मार्केट में नई स्पोर्ट्स कार अमाल्फी को लॉन्च कर दिया है। इटालियन कार मेकर ने इसे एंट्री-लेवल स्पोर्ट्स कार के रूप में फरारी रोमा की जगह उतारा है। इसकी शुरुआती कीमत 240,000 यूरो (करीब ₹2.4 करोड़) रखी गई है। ये कंपनी की अब तक की सबसे सस्ती ग्रैंड टूरर स्पोर्ट्स कार है।

अमाल्फी की बुकिंग शुरू कर दी गई है। यूरोप में डिलीवरी 2026 की पहली तिमाही से शुरू होगी। अमेरिका में ये 3 से 6 महीने बाद पहुंचेगी। इसके बाद भारतीय बाजार में राइट-हैंड-ड्राइव वाले मॉडल्स उतारे जाएंगे। कंपनी का दवा है कि कार सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0 से 100kmph की स्पीड से दौड़ सकती है।

फरारी अमाल्फी का नाम इटली की अमाल्फी कोस्ट से इन्सपायर्ड है, जो दक्षिणी इटली में सालेर्नो की खाड़ी के पास एक खूबसूरत बीच है। ये एस्टन मार्टिन DB12, बेन्टले कॉन्टिनेंटल GT, मासेराटी ग्रेनटूरिज्मो और अपकमिंग एस्टन मार्टिन DB12 S को टक्कर देगी।

एक्सटीरियर डिजाइन: स्मूद डोर हैंडल्स और 20 इंच के अलॉय व्हील्स

फेरारी अमाल्फी के लुक्स की बात करें तो इसका एयरोडायनामिक डिजाइन स्पोर्टी और स्टाइल का कॉम्बो नजर आता है। कंपनी का कहना है कि ग्लासहाउस टॉप को छोड़कर कार की पूरी बॉडी बिल्कुल नई है। सबसे बड़ा बदलाव इसके फ्रंट में दिखता है, जहां रोमा की शार्क नोज और ग्रिल की जगह फरारी पुरोसांग्वे SUV जैसा डिजाइन दिया गया है।

नए पतले हेडलाइट्स को एक ब्लैक बार से जोड़ा गया है। इसके नीचे की ओर न्यू डिजाइन लिप्स हैं। हेडलाइट्स के पास नए एयर डक्ट्स हैं, जो हवा के प्रेशर को कम करते हैं और टर्बोज को ज्यादा हवा भेजते हैं। अमाल्फी के साइड प्रोफाइल में स्मूथ कर्व्स और एयरोडायनामिक लाइन्स इसे स्पोर्टी वाइब्स देती हैं। यहां स्मूद डोर हैंडल्स और 20 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

रियर में एक नया एक्टिव स्पॉइलर है, जो हवा को बेहतर तरीके से मैनेज करता है और 250kmph मील प्रति घंटे की स्पीड पर 110kg का डाउनफोर्स जनरेट करता है। यह रोमा से 110 किलो ज्यादा है। यानी, तेज रफ्तार में भी गाड़ी रोड पर मजबूती से टिकी रहेगी। पीछे की तरफ टेललाइट्स में हल्का बदलाव और डिफ्यूजर पर नंबर प्लेट की जगह को थोड़ा शिफ्ट किया गया है। कार में 35 कलर ऑप्शन मिलते हैं। इनमें 8 स्टैंडर्ड, 6 हिस्टोरिकल, 14 क्लासिक, 6 स्पेशल और 1 मैट कलर शामिल हैं।

इंटीरियर: प्रीमियम लेदर अप्होल्स्ट्री और डैशबोर्ड पर तीन टच स्क्रीन

फरारी अमाल्फी का केबिन रोमा की तरह ही है, लेकिन ये थोड़ा अपग्रेडेड है। इंटीरियर में प्रीमियम लेदर, कार्बन फाइबर और मॉडर्न टचस्क्रीन डिस्प्ले का कॉम्बिनेशन है, जो इसे लग्जरी और स्पोर्ट्स कार का परफेक्ट कॉम्बो बनाता है। सबसे खास बात, स्टीयरिंग पर रोमा के टच स्विच की जगह फिजिकल बटन्स आए हैं, जिसमें रेड स्टार्ट/स्टॉप बटन भी शामिल है। पीछे की दो सीट्स भी पहले जैसी हैं।

कार में सॉलिड एल्यूमिनियम से बना एक फ्लोटिंग सेंट्रल कंसोल है, जिसमें गियर सिलेक्टर, चाबी का स्लॉट, वायरलेस चार्जिंग पैड और कुछ छोटे कंट्रोल्स दिए गए हैं। डैशबोर्ड पर डिजिटल स्क्रीन अब 8.4-इंच की जगह 10.25-इंच की है, जो वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रॉएड ऑटो सपोर्ट करती है। 8.8-इंच पैसेंजर स्क्रीन वही है, लेकिन ड्राइवर डिस्प्ले 15.6 इंच से 15.2 इंच का हो गया है।

परफॉर्मेंस: ट्विन-टर्बो V8 इंजन के साथ 320kmph की टॉप स्पीड

फरारी अमाल्फी में परफॉर्मेंस के लिए रोमा वाला 3.9-लीटर का ट्विन-टर्बो V8 इंजन दिया गया है, जो 640hp की पावर (रोमा से 20hp ज्यादा) और 760Nm का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं ट्रांसमिशन के लिए इंजन को 8-स्पीड डुअल-क्लच गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है।

1.3 किलो हल्का कैमशाफ्ट डालकर इंजन की रफ्तार (खासकर ऊंचे गियर्स में) बढ़ाई गई है। साथ में नया ECU भी लगाया है, जो परफॉर्मेंस को बूस्ट करता है। इससे कार सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0-100kmph और 9 सेकेंड में 0-200kmph की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 320kmph की है। वहीं, ब्रेकिंग की बात करें तो कार 100kmph की स्पीड पर ब्रेक लगाने पर 30.8 मीटर में डिस्टेंस में रुकेगी। वहीं, 200kmph की स्पीड में ब्रेकिंग पर 119.5 मीटर दूर रुकेगी।

चीन ने भारत को मशीनों और पार्ट्स की डिलीवरी रोकी,अमेरिका को पशु-आहार बेचने की

-अनुमति दे सकता है भारत, मीशो ₹4,250 करोड़ का IPO लाएगी

कल की बड़ी खबर चीन से जुड़ी रही। चीन ने भारत को जरूरी मशीनों और पार्ट्स की डिलीवरी रोक दी है। ये मशीनें और पार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर्स के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा, भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने अपने 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को भारत से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंधों में एक बार फिर तनाव दिखाई दे रहा है। चीन ने भारत को कुछ खास मशीनों और उनके पार्ट्स की डिलीवरी को रोक दिया है, जिससे भारतीय मैन्युफैक्चरिंग और टेक इंडस्ट्री पर असर पड़ सकता है। खबरों के अनुसार, चीन ने कुछ खास इलेक्ट्रॉनिक चिप्स, सेमीकंडक्टर बनाने की मशीनें और सोलर पैनल निर्माण में काम आने वाले उपकरणों की खेप को सीमा पर रोक दिया है। इसके पीछे चीन का कहना है कि उन्हें "निर्यात जांच" की प्रक्रिया पूरी करनी है, जबकि भारत का मानना है कि यह एक तरह का अनौपचारिक दबाव बनाने का तरीका है। वहीं, अमेरिका के साथ होने वाली ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के लिए भारत अब कुछ जेनेटिकली मॉडिफाइड पशु आहार को इंपोर्ट करने की अनुमति दे सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें सोयाबीन मील और मक्का से बने डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं, जो पशुओं के चारे में इस्तेमाल होते हैं।

चीन ने भारत को जरूरी मशीनों और पार्ट्स की डिलीवरी रोक दी है। ये मशीनें और पार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर्स के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा, भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने अपने 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को भारत से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने ऐसा भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रभावित करने के लिए किया है। चीन ने भारत को जरूरी मशीनों और पार्ट्स की डिलीवरी रोक दी है। ये मशीनें और पार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर्स के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा, भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने अपने 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को भारत से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने ऐसा भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रभावित करने के लिए किया है।

चीनी वर्कर्स के जाने से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है

सूत्रों ने कहा, "चाइनीज कर्मचारियों की संख्या 1% से भी कम है, लेकिन ये प्रोडक्शन और क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे अहम ऑपरेशंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चीनी सरकार द्वारा अपने नागरिकों को वापस बुलाने के निर्देश से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है। बीती दिनों चीन ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EV) और इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई भी रोक दी थी। ऐसे में चीन के इन दोनों कदमों को भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ को कमजोर करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। चीन शायद भारत के साथ टिट-फॉर-टैट की रणनीति अपना रहा है, क्योंकि उनके कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बिजनेस वीजा हासिल करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। एक उद्योग सूत्र ने कहा, हम इस मामले पर सरकार को एक रिपोर्ट भेजने का प्लान बना रहे हैं।

आईफोन मैन्यूफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा

आईफोन मैन्यूफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा है। 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28% था। चार साल पहले भारत ने आईफोन असेंबलिंग शुरू की थी। भारत ने 4 साल पहले बड़े पैमाने पर आईफोन असेंबल करना शुरू किया था, और अब ये ग्लोबल प्रोडक्शन का पांचवां हिस्सा बनाता है। एपल की योजना 2026 के अंत तक अमेरिका के लिए ज्यादातर आईफोन्स भारत में बनाने की है, जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आलोचना की है।

अमेरिकी ग्राहकों के लिए आईफोन यहीं बनने चाहिए

राष्ट्रपति ने कहा है कि एपल को अमेरिकी ग्राहकों के लिए आईफोन अमेरिका में ही बनाने चाहिए। लेकिन अमेरिका में महंगी लेबर लागत के कारण वहां आईफोन उत्पादन करना व्यवहारिक नहीं है। वहीं अगर चीन अपने इंजीनियर्स को अमेरिका जाने से रोकता है, तो एपल की अपने देश में गैजेट असेंबली शुरू करने की योजना और भी मुश्किल हो जाएगी। भारत में पिछले कुछ सालों में आईफोन प्रोडक्शन तेजी से बढ़ा है। 2024 में भारत ने 14 बिलियन डॉलर की वैल्यू के आईफोन्स बनाए, और जनवरी-मई 2025 में 4.4 बिलियन डॉलर के आईफोन्स अमेरिका को एक्सपोर्ट किए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के मुताबिक, अब 25% आईफोन्स भारत में बनाए जा रहे हैं।

एपल का भारत पर इतना ज्यादा फोकस क्यों?

सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन: एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जियोपॉलिटिकल टेंशन, ट्रेड डिस्प्यूट और कोविड-19 लॉकडाउन जैसे दिक्कतों से कंपनी को लगा कि किसी एक क्षेत्र में ज्यादा निर्भर रहना ठीक नहीं है। इस लिहाज से एपल के लिए भारत एक कम जोखिम वाला ऑप्शन साबित हो रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 2500 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोकल बैंक ऑफिसर के 2500 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

सिलेक्ट किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति के बाद न्यूनतम 3 वर्षों की सेवा देना जरूरी होगा। इसके लिए उन्हें पांच लाख रुपए का एक बॉन्ड भरना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार इस निर्धारित सेवा अवधि से पहले इस्तीफा देता है या अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करता है तो उसे यह राशि बैंक को चुकानी होगी। यह शर्त बैंक द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग, संसाधनों और भर्ती प्रक्रिया की लागत को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : ग्रेजुएशन की डिग्री

एक साल का अनुभव

स्थानीय भाषा की जानकारी

एज लिमिट :

न्यूनतम : 21 साल

अधिकतम : 30 साल

एससी, एसटी : अधिकतम उम्र में 5 साल की छूट

ओबीसी : 3 साल की छूट

सैलरी :

48,480 से 85,920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :

ऑनलाइन परीक्षा

साइकोमेट्रिक टेस्ट

लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट

ग्रुप डिस्कशन या इंटरव्यू

फीस :

सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए

एससी, एसटी, दिव्यांग : 175 रुपए

एग्जाम पैटर्न :

ऑनलाइन टेस्ट में 120 सवाल होंगे।

इसमें अंग्रेजी भाषा, बैंकिंग ज्ञान, सामान्य/ इकोनॉमिक अवेयरनेस, और रीजनिंग एबिलिटी और क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड से प्रश्न पूछे जाएंगे। हर सब्जेक्ट से 30 नंबर के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए 30 मिनट का समय दिया जाएगा। क्वालिफाई करने के लिए उम्मीदवारों को हर सेक्शन में कम से कम 40% (सामान्य/ EWS) या 35% (रिजर्व कैटेगरी) मार्क्स प्राप्त करने होंगे।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।

SSC CGL की 14,582 भर्तियों के लिए आवेदन करे

एसएससी सीजीएल की इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 जून से जारी है। इस भर्ती के लिए आवेदन का आज आखिरी दिन है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 5 जुलाई तय की गई है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

12वीं में न्यूनतम 60% अंक

संबंधित विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :

न्यूनतम : 18 वर्ष

अधिकतम : पद के मुताबिक 27-32 साल

एससी, एसटी : 5 साल की छूट

ओबीसी : 3 साल की छूट

पीडब्ल्यूबीडी (अनरिजर्व) : 10 साल की छूट

आयुसीमा की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :

टियर - 1 एग्जाम

टियर - 2 एग्जाम

फीस :

जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए

एससी/एसटी/महिला : निःशुल्क

सैलरी :

पदों के अनुसार 25,500 से 1,42,400 रुपए प्रतिमाह तक

एग्जाम पैटर्न :

टियर-I: 60 मिनट (ऑनलाइन)

टियर-II:

पेपर 1 - 150 मिनट

पेपर 2 - 120 मिनट

पेपर 3 - 120 मिनट

परीक्षा का माध्यम : इंग्लिश, हिंदी

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :

पासपोर्ट साइज फोटो

सिग्नेचर

आधार कार्ड

शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र

10वी की मार्कशीट

12वी की मार्कशीट

स्नातक का मार्कशीट

मोबाइल नंबर

ईमेल आईडी

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर मौजूद "New User" या "OTR (One Time Registration)" लिंक पर क्लिक करें।

नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, शैक्षणिक योग्यता और पता जैसी जरूरी जानकारी भरें।

सभी जानकारी भरने के बाद Submit करें। सफल रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड की मदद से लॉगिन करें।

लॉगिन के बाद SSC CGL का फॉर्म भरकर पोस्ट चुनें।

पासपोर्ट साइज फोटो और हस्ताक्षर की स्कैन की गई कॉपी अपलोड करें।

फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।

बिहार में कल से शुरू 498 पदों पर भर्ती, एज लिमिट 37 साल

बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) ने नर्सिंग ट्यूटर के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट btsc.bihar.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए फीस पेमेंट की लास्ट डेट भी 1 अगस्त तय की गई है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

एमएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग या इंडियन नर्सिंग काउंसिल या बिहार हेल्थ डिपार्टमेंट या नर्सिंग एजुकेशन एंड एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा

नर्सिंग के क्षेत्र में दो साल का अनुभव

बिहार नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, पटना में रजिस्ट्रेशन

एज लिमिट :

न्यूनतम : 21 साल

अधिकतम : 37 साल

आयु की गणना 01 अगस्त 2025 से की जाएगी।

सैलरी :

लेवल - 8 के अनुसार

फीस :

जारी नहीं

सिलेक्शन प्रोसेस :

मेरिट लिस्ट

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट btsc.bihar.gov.in पर जाएं।

ऑनलाइन अप्लाई पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

जरूरी डिटेल्स दर्ज करके लॉग इन करें।

डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके सब्मिट पर क्लिक करें।

फॉर्म डाउनलोड करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने ग्लोबल-नेशनल रैंकिंग में छुई नई बुलंदी, दुनिया की शीर्ष 2% यूनिवर्सिटीज में हुई शामिल

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) ने दुनिया की शीर्ष दो प्रतिशत में शामिल होकर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में प्रभावशाली 575वीं रैंक हासिल की है। सीयू को भारत में पिछले वर्ष एकेडमिक रेपुटेशन में इस बार 13वां स्थान मिला है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) ने दुनिया की शीर्ष दो प्रतिशत में शामिल होकर प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में प्रभावशाली 575वीं रैंक हासिल की है। सीयू ने इस सूची में शामिल होने के लिए 125 स्थान की छलांग लगाई है। इसके साथ ही देश में भी सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी सीयू 18वीं से बढ़कर 16वीं रैंक पर पहुंच गई है। भारत की निजी यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग में भी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने पिछले वर्ष तीसरी रैंक से आगे बढ़कर दूसरी रैंक पर पहुंच गई है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 54 भारतीय यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। सीयू की नवीनतम रैंकिंग भारत और विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है।

'एम्पलॉयर्स रेपुटेशन' में लगाई 25 स्थानों की छलांग

एम्प्लॉयर्स के बीच चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की प्रभावशाली प्रतिष्ठा को रेखांकित करते हुए सीयू ने पिछले वर्ष की तुलना में 'एम्पलॉयर्स रेपुटेशन' में 172वीं रैंक से 25 स्थानों की छलांग लगाई और विश्व में 147वें स्थान पर पहुंचने में सफल रही। भारत में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को एम्पलॉयर्स रेपुटेशन इंडिकेटर में 7वीं रैंक मिली है।

इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में सीयू को भारत में मिला 12वां स्थान

पिछले साल की 26वीं रैंक की तुलना में 14 स्थानों की छलांग के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में भारत में 12वां स्थान हासिल किया है, जो अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ रिसर्च साझेदारी बनाए रखने में यूनिवर्सिटी की सफलता को दर्शाता है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 4300 से अधिक पेटेंट फाइल किए हैं और देश की शीर्ष पांच रिसर्च गहन यूनिवर्सिटीज में शामिल रही है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की एकेडमिक रेपुटेशन में भी इजाफा

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भारत में पिछले वर्ष एकेडमिक रेपुटेशन में 14वें स्थान की तुलना में इस बार 13वां स्थान मिला है। एकेडमिक रेपुटेशन (एआर) संकेतक शैक्षणिक विशेषज्ञों से यूनिवर्सिटीज को उनकी विशेषज्ञता के विषय क्षेत्र के आधार पर नामित करने के लिए संस्थानों और उनके प्रोग्राम्स की रेपुटेशन को मापता है।

2004 से जारी हो रही है क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

वर्ष 2004 में शुरू हुई क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग पिछले 20 वर्षों में 'वैश्विक पहचान' बन गई है, जिसने आज वैश्विक स्तर पर अकादमिक रैंकिंग के क्षेत्र में अधिकार और प्रामाणिकता की मुहर लगा दी है। क्यूएस रैंकिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बेंचमार्क, जहां यूनिवर्सिटीज को एम्प्लॉयर रेपुटेशन, एकेडमिक रेपुटेशन, इंटरनेशनल एम्प्लॉयर रेश्यो, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स रेश्यो, फैकल्टी-स्टूडेंट रेश्यो, साइटेशन पर फैकल्टी, रिसर्च एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क और एम्प्लॉयर आउटकम सहित कड़े मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक किया जाता है। इसके आधार पर स्टूडेंट्स अपनी अकादमिक और करियर की आकांक्षाओं के अनुसार दुनिया में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में से एक को चुनकर एडमिशन लेने के लिए सही निर्णय ले सकते हैं।

अलग-अलग विषयों की रैंकिंग में भी सीयू का परचम

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विषय रैंकिंग के 2025 संस्करण में भी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने शानदार प्रदर्शन किया है। यह रैंकिंग स्टूडेंट्स को उन संस्थानों के बारे में जानकारी देती है जो उनके महत्वपूर्ण विषय क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। 100 देशों और क्षेत्रों में 1,700 से अधिक यूनिवर्सिटीज में स्टूडेंट्स द्वारा किए 21,000 से अधिक एकेडमिक प्रोग्राम्स की तुलना के आधार पर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विषय रैंकिंग-2025 में, 55 विषयों और पांच फैकल्टी क्षेत्रों में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में विश्वभर की शीर्ष 231 यूनिवर्सिटीज की लीग में प्रवेश करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विषय रैंकिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भारत में निजी विश्वविद्यालयों के बीच सोशल साइंस और मैनेजमेंट में कुल मिलाकर पहला स्थान और इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम्स को भारत की प्राइवेट यूनिवर्सिटीज में तीसरा स्थान मिला। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भारत के निजी विश्वविद्यालों में तीसरे और दुनिया में 301-350 के बीच स्थान प्राप्त किया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भारत के निजी विश्वविद्यालों में तीसरे और दुनिया में 401-450 के बीच स्थान पर रही। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी भारत के निजी विश्वविद्यालों में चौथे और दुनिया में 401-450 के बीच स्थान पर रही। बिजनेस मैनेजमेंट में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भारत के निजी विश्वविद्यालों में चौथा और विश्वभर में 401-450 के बीच स्थान दिया गया है। कैमिस्ट्री के लिए क्यूएस विषयवार रैंकिंग में पदार्पण करते हुए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भारत की निजी विश्वविद्यालों में 7वां और दुनिया में 551-600 के बीच स्थान दिया गया है।

एनआईआरएफ रैंकिंग-2024 में भी सीयू को मिली 20वीं रैंक

उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षा, शिक्षण, सीखने और सुविधाओं के सभी पहलुओं को शामिल करने के लिए एक रैंकिंग प्रणाली की आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए 29 सितंबर 2015 को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की शुरुआत की गई। एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग में इस वर्ष कुल 10,845 उच्च शिक्षा संस्थानों ने भाग लिया। इसमें 16 श्रेणियों में विभिन्न संस्थानों को स्थान दिया गया है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 2024 की एनआईआरएफ रैंकिंग में विभिन्न श्रेणियों में सुधार करते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। 2023 के प्रदर्शन से चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 7 पायदान की बड़ी छलांग लगाते हुए यूनिवर्सिटी श्रेणी में सभी शीर्ष भारतीय यूनिवर्सिटीज में 20वां स्थान प्राप्त किया है।

2024 की एनआईआरएफ रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को निस्संदेह अपनी स्थापना के मात्र 12 वर्षों की छोटी से अवधि में आईआईटी और आईआईएम जैसे भारत के शीर्ष और विख्यात शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में शामिल कर दिया है। यूनिवर्सिटी रैंकिंग स्कोर में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 2023 में 54.63 से बढ़कर 2024 में 59.96 हो गई, जो उत्कृष्टता और विकास के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता है। सम्पूर्ण भारतीय प्राइवेट यूनिवर्सिटी रैंकिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 10वें स्थान से 9वें स्थान पर अपनी स्थिति में सुधार किया है। सम्पूर्ण उत्तर भारत श्रेणी में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 9वें स्थान से 7वें स्थान पर पहुंच गई है। ओवरऑल पंजाब रैंकिंग में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच कर राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। 2021 में 52वें स्थान पर रहने वाली सीयू ने 2022 में 29वें, 2023 में 27वें स्थान पर पहुंचने के बाद 2024 में 20वीं रैंक हासिल की है।

यूनिवर्सिटी रैंकिंग से स्टूडेंट्स को मिलते हैं ये फायदे

विश्व स्तर पर रैंक प्राप्त यूनिवर्सिटी से शिक्षा हासिल करने से रोजगार की संभावनाएं बेहतर होती हैं। ग्लोबल रैंकिंग अकादमिक प्रतिष्ठा और मजबूत अनुसंधान आउटपुट का संकेत देती है। ग्लोबल रैंकिंग स्टूडेंट्स को दाखिला लेते समय मजबूत प्रोग्राम्स वाली यूनिवर्सिटीज की तुलना करने और उन्हें पहचानने में मदद करती है। ग्लोबल रैंकिंग से यूनिवर्सिटी को स्वदेश या विदेश में बेहतर रोजगार की संभावनाओं के लिए फायदे मिलते हैं। उच्च रैंक वाली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स को उच्च गुणवत्ता वाला सर्वांगीण शिक्षण अनुभव प्रदान करती हैं। ग्लोबल रैंकिंग मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाली यूनिवर्सिटीज के बारे में बताती है।

अमरनाथ यात्रा पहले दिन 12,348 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

6400 यात्रियों का तीसरा जत्था रवाना, अब तक 3.5 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई। पहले दिन शाम 7.15 बजे तक 12,348 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 9,181 पुरुष और 2,223 महिलाएं शामिल रहीं। 99 बच्चे, 122 साधु, 7 साध्वी, 708 सुरक्षाबलों के जवान और 8 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5200 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था 3 जुलाई की शाम जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना हुआ, जो शुक्रवार दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। 6400 यात्रियों को लेकर तीसरा जत्था आज सुबह सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ।

वहीं, आज यूपी से आए यात्री की मौत हो गई। लखीमपुर खीरी के रहने वाले दिलीप श्रीवास्तव शेषनाग बेस कैंप में अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें तुरंत ही शषनाग बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। गलती से गोली चली, पुलिसकर्मी घायल अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी से खुद की सर्विस राइफल से गलती से फायर हो गया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबल शब्बीर अहमद को पहलगाम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर क्या-क्या

यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 581 अलग-अलग सुरक्षा कंपनियों का चाक-चौबंद बंदोबस्त किया गया है। इसमें सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, आईबीटीपी और सीआईएसएफ समेत सुरक्षा बलों के जवान तैनात किए गए हैं। बालटाल से लेकर गुफा तक के मार्ग पर हर दो किलोमीटर पर मेडिकल कैंप लगाए हैं। बीच में कई जगहों पर गोदाम भी चालू कर दिए गए हैं। इस साल गुफा की ओर जाने वाले रास्ते पर चार स्टैंड बनाए गए हैं, जबकि पैदल, घोड़े पर और पालकी में जाने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते भी अलग-अलग बनाए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए हर 50 मीटर पर एक जवान तैनात है। मुंबई से आए तीर्थयात्री प्रसाद ठाकुर ने कहा कि जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं था उनका भी बहुत जल्दी रजिस्ट्रेशन हो गया है। आज 70 से 80 हजार तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए होंगे। भंडारे में खाने का अच्छा इंतजाम है। शौचालय से लेकर रहने तक की सारी व्यवस्था बढ़िया हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पहलगाम रूट बेहतर यदि आप अमरनाथ सिर्फ धार्मिक यात्रा के रूप में आ रहे हैं तो बालटाल रूट बेहतर है। यदि कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से जीना चाहते हैं तो पहलगाम रूट बेहतर है। हालांकि इसकी हालत बालटाल रूट के विपरीत है। गुफा से चंदनबाड़ी तक सफर थकान, धूलभरा है। रास्ता पत्थरों वाला और कहीं-कहीं बहुत संकरा है। 48 किमी लंबे जर्जर रूट पर कई जगह रेलिंग गायब है तो कहीं घोड़ों के लिए अलग रास्ता है।

गुजरात के चावल मिल के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

गुजरात के खेड़ा में शुक्रवार को एक चावल मिल के गोदाम में भीषण आग लग गई. आग लगने के बाद मौके से आग और धुएं का गुबार उठता नजर आया है. जानकारी मिलने के बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची. दमकलकर्मी मौके पर आग बुझाने की कोशिश में जुटे हैं. मनेंद्र पटेल, दुर्ग. चंदखुरी स्थित भवानी राइस मिल में लगी आग ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। आग मिल के बारदाना गोदाम में लगी थी, जिसमें लाखों रुपए का बारदाना जलकर खाक हो गया। आग की भयानकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने दो घंटे की

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूरी घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे की है, भवानी राइस मिल के बारदाना गोदाम में आग लग गई. आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया. आग बढ़ते देख मिल के सुपरवाइजर ने तुरंत जिला अग्निशमन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के चार वाहनों और 20 से अधिक जवानों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।फिलहाल राइस मिल में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस और दमकल विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है. पुलगांव थाना पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है.

हज 2026 की पूरी प्रक्रिया होगी डिजिटल

-65 साल से ज्यावदा के हाजियों के लिए जानें क्याय है अपडेट

किरेन रिजिजू ने कहा कि हम जल्द ही 2026 में होने वाले हज को लेकर हम अगले एक सप्ताह में हज पोर्टल खोलने जा रहे हैं. आप अगर अगले साल हज पर जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए केंद्र सरकार खुशखबरी लेकर आई है. दरअसल,सरकार अगले साल यानी 2026 से हज यात्रा पर जाने को लेकर तमाम प्रक्रियाओं को डिजिटिलाइज करने जा रही है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू हज रिव्यू मीटिंग के बात इसे लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि हमने 2026 में होने वाली हज यात्रा के लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर दी है. 2025 में हज का आयोजन सबसे अच्छा रहा था. हम हज पर जाने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सहूलियत देने पर काम कर रहे हैं.

जल्द शुरू होगा पोर्टल

किरेन रिजिजू ने कहा कि हम जल्द ही 2026 में होने वाले हज को लेकर हम अगले एक सप्ताह में हज पोर्टल खोलने जा रहे हैं. जो लोग भी अगले साल हज पर जाना चाहते हैं वो इस लाइम लाइन को सख्ती के साथ लागू करें. हज पर जाने वालों की उम्र अगर 65 साल से ज्यादा है तो उनके साथ किसी परिचित का होना जरूरी है.

ऑपरेशन सिंदूर: सेना के उप प्रमुख के बयान पर सियासत शुरू

- कांग्रेस ने संसद में चीन पर चर्चा की मांग दोहराई

कांग्रेस ने भारतीय सेना के उप-प्रमुख (क्षमता विकास एवं स्थायित्व) लेफ्टिनेंट राहुल आर सिंह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने भारतीय सैन्य संपत्तियों का लाइव डाटा पाकिस्तान के साथ साझा किया और तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन मुहैया कराए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, 'सेना के उप-प्रमुख (क्षमता विकास और स्थायित्व) लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने आज सार्वजनिक रूप से वह बात कही है, जो ऑपरेशन सिंदूर के अचानक खत्म होने के बाद से आमतौर पर मानी जा रही थी। यह वही ऑपरेशन है, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दखल के चलते 10 मई को रोक दिया गया था।'

रमेश ने कहा, 'लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने जो कहा, वह उसी चिंता को सार्वजनिक रूप से सामने लाता है कि हम वास्तव में पाकिस्तान से नहीं, बल्कि चीन से लड़ रहे थे। चीन, पाकिस्तान की वायु सेना को असाधारण स्तर तक नियंत्रित कर रहा था। यह खुलासा उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की ओर से सिंगापुर में किया गया था। यही कारण है कि कांग्रेस पार्टी लगातार यह मांग कर रही है कि संसद में चीन की ओर से हमारे सामने खड़ी की जा रही रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों पर चर्चा होनी चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'चीन ने की पाकिस्तान की वायु सेना को अपने नियंत्रण में नहीं लिया है, बल्कि अब वह पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय बैठकें कर रहा है। हमारे व्यापार घाटे के आंकड़े रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। अब जबकि संसद का सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और उसे चार दिनों के लिए बढ़ाया भी गया है, हमें उम्मीद है कि हमें चीन से जुड़ी राजनीतिक, रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस इस बात पर जोर देती रहेगी कि चीन पर पूरी बहस होनी चाहिए और इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर आम सहमति बनाई जाए।'

कांग्रेस सांसद ने कहा, पाकिस्तान एक चुनौती है, जिसे चीन का समर्थन हासिल है। अमेरिका भी एक अलग तरह की चुनौती है, लेकिन वह एक अलग श्रेणी में आता है। हम लगातार यह मांग करते रहेंगे और संसद में इस विषय पर चर्चा की मांग करेंगे- चाहे वह सीडीएस जनरल चौहान के बयान हों, इंडोनेशिया में रक्षा अधिकारी के खुलासे हों या आज नई दिल्ली में लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह द्वारा कही गई बातें।

पंजाब के पूर्व CM चरणजीत सिंह चन्नी को हाई कोर्ट से राहत

-संसद सदस्यता रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. उनके खिलाफ दायर चुनावी याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया. याचिका में आरोप लगाया गया था कि चन्नी ने चुनाव आयोग को गलत जानकारी दी और चुनाव खर्च का पूरा ब्योरा नहीं दिया. हाईकोर्ट ने याचिका को निराधार पाते हुए खारिज कर दिया, जिससे चन्नी को राहत पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर से कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ दाखिल चुनावी याचिका खारिज कर दिया है. जालंधर के वकील गौरव लूथरा ने चन्नी के चुनाव के खिलाफ हाई कोर्ट में दाखिल चुनावी याचिका में आरोप लगाया था कि चन्नी ने चुनाव आयोग को चुनावी खर्च सहित अन्य कई गलत जानकारियां दी हैं. उन्होंने अपने चुनावी खर्च का पूरा ब्योरा तक नहीं दिया है.

याचिकाकार्ता का आरोप था कि इस चुनाव प्रचार के दौरान कई रैलियां की गई जिनके लिए चुनाव आयोग से कोई इजाजत तक नहीं ली गई थी. बावजूद इसके चुनाव आयोग ने चन्नी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की. याचिकाकर्ता ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की थी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. लिहाजा गौरव लूथरा ने चरणजीत सिंह चन्नी के चुनाव के खिलाफ पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनावी याचिका दाखिल कर उनका चुनाव रद्द करने की मांग की थी.

किसने दायर की थी याचिका?

बीजेपी नेता और वकील गौरव लूथरा ने चन्नी के खिलाफ याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उन्होंने नामांकन के दौरान कई जानकारियां छिपाईं और चुनाव आयोग को चुनाव खर्च का सही ब्योरा नहीं दिया. इसके साथ ही उन्होंने रैलियों की अनुमति से जुड़ी जानकारी भी कथित तौर पर नहीं दी.

याचिका में क्या कहा गया?

बीजेपी नेता और वकील गौरव लूथरा ने अपनी याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून का हवाला देते हुए चरणजीत सिंह चन्नी का चुनाव रद्द करने की मांग की थी. याचिका में आरोप लगाया गया था कि चन्नी ने अपने चुनावी हलफनामे में कई तथ्य छिपाए हैं और चुनाव खर्च का पूरा ब्योरा आयोग को नहीं दिया है.

वकील ने सभी आरोपों को खारिज किया

मामले में मंगलवार को हुई सुनवाई में चरणजीत सिंह चन्नी के वकील ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष द्वारा पेश किए गए सभी तथ्य झूठे और निराधार हैं. उनके वकील ने यह भी कहा कि याचिका दायर करने वाला पक्ष खुद कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है. सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और चन्नी को बड़ी राहत दी.

बिन बुलाए शादी में पहुंचे पुलिसकर्मी ने की ताबड़तोड़ फायरिंग , छर्रे लगने से 10 साल की मासूम घायल

ग्वालियर में विवाह समारोह में शराबी पुलिसकर्मी सरदार सिंह तोमर ने देसी कट्टे से फायरिंग कर दी, जिससे 10 वर्षीय डॉली घायल हो गई। आरोपी की गिरफ्तारी 24 घंटे बाद हुई। मामला सोशल मीडिया में वायरल होने पर कार्रवाई हुई, लेकिन अब तक कट्टा बरामद नहीं हो सका है।

विवाह समारोह में बिन बुलाए पहुंचे पुलिसकर्मी द्वारा देसी कट्टे से ताबड़तोड़ फायर ठोकने का मामला ग्वालियर शहर से सामने आया है। कट्टे से किए गए फायर से निकले छर्रों से एक 10 साल की मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई। मासूम के परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल भर्ती कराया जहां मासूम का इलाज जारी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

ग्वालियर शहर के थाना हजीरा क्षेत्र के राजीव आवास में रहने वाले सिकरवार परिवार में मंगलवार को विवाह समारोह की धूम थी। मंगल गीत गाए जा रहे थे.. और बच्चे गानों पर थिरक रहे थे। इसी दौरान सरदार सिंह तोमर शराब के नशे में बिन बुलाए विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचा था। इस दौरान उसने देसी कट्टे से ताबड़तोड़ एक के बाद एक फायर ठोके। फायरिंग के दौरान कुछ छर्रे पांचवीं क्लास की छात्रा डॉली के चेहरे पर जा लगे जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई। आनन-फानन डॉली के परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी, लेकिन घटना के 24 घंटे होने के बाद भी आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित पक्ष आक्रोशित है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी सरदार सिंह तोमर थाना हजीरा में पदस्थ है। इसलिए उनकी सुनवाई नहीं हो रही। वहीं मामला सोशल मीडिया में आने के बाद थाना हजीरा पुलिस ने

सरदार सिंह तोमर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अपराध में इस्तेमाल किया गया अवैध देसी कट्टा उसे बरामद नहीं कर सकी है। पूछताछ के दौरान सरदार सिंह तोमर ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद उसने कट्टा पास में बह रहे नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने नाले में भी कट्टे को तलाशा लेकिन कट्टा बरामद नहीं हो सका। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल की जा रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,